सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 229 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 02 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### 10वीं-12वीं के मेधावियों को मिलेंगे 2-2 लाख रुपए, सीएम साय देंगे चेक

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। यह घोषणा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों के लिए की गई है। वर्ष 2025-26 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में शीर्ष 10 में स्थान बनाने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक टॉपर बच्चे को कुल 2 लाख रुपये का चेक प्रदान किया जाएगा। इसमें 1 लाख रुपये नकद प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाएंगे। शेष 1 लाख रुपये दोपहिया वाहन खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे। यह सम्मान मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत मिलेगा। मंडल सचिव गिरीश कुमार रामटेके ने मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र भेजा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कार्यक्रम की तिथि और समय निर्धारित करने का आग्रह किया है। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में होना प्रस्तावित है। मंडल ने शीर्ष 10 बच्चों की सूची भी तैयार कर ली है। इस फैसले से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के परिवारों में काफी खुशी है। श्रमिक नेताओं का मानना है कि यह योजना बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करेगी।

### रवीना टंडन की मां का देखभाल करने वाली महिला ने उड़ाए 25 लाख के गहने

**मुबंई।** बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन के भाई के घर हुई चोरी के मामले में मुबंई पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। बीते साल राजीव टंडन ने अपने घर से गोल्ड ज्वेलरी और महंगी घड़ियां चोरी होनी की शिकायत दर्ज कराई थी। एक्ट्रेस रवीना टंडन के भाई राजीव टंडन के घर से सोने के जेवर और ब्रंडेड घड़ियां गायब थी। इस मामले में उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसपर पुलिस ने एक्शन लेते हुए एक 47 वर्षीय एक राशी छाबड़िया नाम की महिला को गिरफ्तार किया है। चोरी किए गए सामान की कीमत करीब 25 लाख बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी राशि रवीना की 87 वर्षीय मां वीना टंडन की 2020 से केयरटेकर थी। इसके साथ ही परिवार के काफी करीब बताई जा रही है।

### आईपीएल की ट्रॉफी जीतने के बाद प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंचे विराट-अनुष्का

**वृंदावन।** विराट कोहली की आरसीबी ने हाल ही में अपना दूसरा आईपीएल खिताब जीता है। हर बार की तरह अनुष्का शर्मा इस बार भी आरसीबी और विराट कोहली को सपोर्ट करने पहुंची थीं। अब दूसरा खिताब जीतने के बाद विराट कोहली और अनुष्का शर्मा सीधे प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंचे हैं। विराट-अनुष्का ने वृंदावन में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज के आश्रम का दौरा किया। दोनों ने प्रेमानंद महाराज के राधा केली कुंज आश्रम पहुंचकर उनका आशीर्वाद लिया। अब अनुष्का और विराट की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

## सेना की बढ़ी ताकत : लगातार पांच घंटे उड़ने वाले स्वदेशी ड्रोन दिव्यास्त्र का सफल परीक्षण

**जोधपुर।** राजस्थान के जोधपुर रेगिस्तान में भीषण गर्मी के बीच स्वदेशी रूप से विकसित यूएवी प्लेटफॉर्म दिव्यास्त्र एमके-1 का परीक्षण सफल रहा।

सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में होवर-इट नाम की कंपनी के दिव्यास्त्र ड्रोन ने मिशन के सभी लक्ष्यों को हासिल किया। इस परीक्षण की सबसे बड़ी खासियत इसका कठिन माहौल रहा। ड्रोन निर्माता कंपनी हूवर-इट ने बताया कि रेगिस्तान में 53 डिग्री की झुलसाने वाली गर्मी और 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के बावजूद दिव्यास्त्र एमके-1 ने अपनी परिचालन विश्वसनीयता बनाए रखी। यह दर्शाता है कि यह ड्रोन सेना के लिए किसी भी मौसम में काम करने के लिए तैयार है। प्रदर्शन के दौरान ड्रोन ने अपनी आक्रामक क्षमता का भी लोहा मनवाया।

### तेज हवा में साधा निशाना

ड्रोन ने तय लक्ष्य पर एक टर्मिनल डाइव अटैक यानी ऊपर से सीधे नीचे आकर हमला करने की तकनीक का सफल प्रदर्शन किया। इसने स्वायत्त तरीके से लक्ष्य की पहचान की और बेहद सटीक हमला बोला। परीक्षण के दौरान ड्रोन के लाइव आईएसआर डाटा और टोही तस्वीरें सीधे ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन को भेजी गईं। वहां सेना के अधिकारियों इसकी बेहतरीन निगरानी और युद्धक्षेत्र का आकलन करने की क्षमता का खुद आकलन किया।

### दिव्यास्त्र एमके-1 की क्षमता

ड्रोन 500 किलोमीटर दूर तक वार कर सकता है। लगातार 5 घंटे उड़ान भर सकता है। इसमें दिन और रात में देखने के लिए हाईटेक कैमरे लगे हैं। यह निगरानी कार्यों के साथ अपने साथ भारी विस्फोटक भी ले जा सकता है। इसकी डिजाइन, मिशन इलेक्ट्रॉनिक्स और फ्लाइट-कंट्रोल आर्किटेक्चर पूरी तरह स्वदेश में निर्मित है। होवर-इट के संस्थापक सौरव भदौरिया ने बताया कि आगामी दिनों में इसके पोखरण में उन्नत तकनीकी और व्यावहारिक परीक्षण होंगे, जिसके बाद यह सेना में शामिल होने के लिए तैयार हो पाएगा।

## सरकारी कर्मियों को लेकर हाईकोर्ट का फैसला लागू होगा 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का सिद्धांत

- भ्रष्टाचार के मामले में दोषसिद्धि के बाद बरी होने पर बिजली कर्मी ने दायर की थी याचिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** सरकारी कर्मचारियों से जुड़े एक मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी को आपराधिक मामले में दोषसिद्धि के आधार पर सेवा से बर्खास्त किया गया हो और बाद में वह अपील में बरी हो जाए, तो केवल बरी होने के आधार पर उसे बर्खास्तगी अवधि का पूरा बकाया वेतन पाने का स्वत: अधिकार नहीं मिल जाता। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का सिद्धांत लागू होगा।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवीन्द्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने यह फैसला विद्युत मंडल के एक पूर्व कर्मचारी की अपील खारिज करते हुए दिया। मामले के अनुसार कर्मचारी को सहायक श्रेणी-1 (सिविल) के पद पर नियुक्त किया गया था और बाद में उसे पर्यवेक्षक (सिविल) के पद पर पदोन्नत किया गया। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज हुआ था। विशेष अदालत ने उसे दोषी ठहराया, जिसके बाद विभाग ने उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया।

दोषसिद्धि के खिलाफ कर्मचारी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की। इस दौरान वह सेवानिवृत्ति की आयु भी पूरी कर चुका था। बाद में हाईकोर्ट ने उसकी दोषसिद्धि रद्द करते हुए उसे आरोपों से बरी कर दिया। इसके बाद विभाग ने बर्खास्तगी का आदेश वापस ले लिया और उसे काल्पनिक रूप से सेवा में बहाल माना, लेकिन बर्खास्तगी से लेकर सेवानिवृत्ति तक की अवधि का वास्तविक वेतन और अन्य आर्थिक लाभ देने से इनकार कर दिया। कर्मचारी ने इस निर्णय को चुनौती दी, लेकिन सिंगल बेंच ने उसकी याचिका खारिज कर दी। पुनर्विचार याचिका भी निरस्त होने पर उसने डिवीजन बेंच में अपील की।

अपीलकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि जब दोषसिद्धि टिक नहीं पाई और उसे सम्मानपूर्वक बरी कर दिया गया, तब उसे सेवा से बाहर रहने की अवधि का वेतन और भत्ते मिलने चाहिए। सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने कहा कि कर्मचारी की बर्खास्तगी उस समय प्रभावी और वैध दोषसिद्धि के आधार पर की गई थी। इसलिए बाद में अपील में बरी हो जाने से दोषसिद्धि के आधार पर पहले से की गई कार्रवाई शून्य नहीं हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट भी अपने कई फैसलों में स्पष्ट कर चुका है कि यदि किसी कर्मचारी को आपराधिक मामले में दोषसिद्धि के कारण सेवा से हटाया गया हो, तो बाद में बरी होने की स्थिति में वह बकाया वेतन का दावा अधिकार के रूप में नहीं कर सकता।

## छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिन आंधी और बारिश के आसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में जून महीने का आगाज मौसम के बदले हुए मिजाज के साथ हुआ है। पिछले कुछ दिनों से जारी बारिश और तेज हवाओं के असर से प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली गर्म हवाओं पर रोक लगी है, जिसके कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं आंधी के कारण कई जगह पेड़ टूटकर गिर गए।

बीते 24 घंटों के दौरान गरियाबंद, बस्तर और सूरजपुर जिलों के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार शहर में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

### 4 जून को केरल पहुंचेगा मानसून

मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए हालात अनुकूल बन रहे हैं और अगले दो से तीन दिनों में इसके केरल पहुंचने के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग ने तमिलनाडु के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों के 15 से अधिक जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं उत्तर भारत में बारिश से मिली राहत अब खत्म होने वाली है और अगला हफ्ता भीषण गर्मी सताएगी। हालांकि कुछ जगहों पर हल्की बारिश के भी आसार हैं, लेकिन तापमान में 3-4 डिग्री की बढ़ोतरी देखी जाएगी।

## जिला अस्पताल में खून की कमी से युवती की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला अस्पताल में इलाज के दौरान एक 20 साल की युवती की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि युवती के शरीर में खून की भारी कमी थी, इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने उसे 1 यूनिट ब्लड तक नहीं दिया। समय पर खून न मिलने के कारण उसकी जान चली गई। युवती की मां डॉक्टरों और स्टाफ के सामने ब्लड के लिए गिड़गिड़ाती रही, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक युवती सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित थी और उसका इलाज चल रहा था। उसका ब्लड ग्रुप ओ-पॉजिटिव था और हीमोग्लोबिन घटकर करीब 5 ग्राम रह गया था।

मिली जानकारी के मुताबिक युवती का नाम दीपिका गाड़ा है, जो मरोदा भिलाई की रहने वाली थी। रिश्तेदारों ने बताया कि दीपिका कई दिनों से बीमार थी। उसके हाथ-पैर, कमर और पूरे शरीर में दर्द की शिकायत थी। तबीयत बिगड़ने पर शनिवार रात करीब 11 बजे उसे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि उसके शरीर में खून की मात्रा काफी कम है और तुरंत ब्लड चढ़ाने की जरूरत है। परिवार का आरोप है कि अस्पताल की ओर से तीन यूनिट ब्लड की व्यवस्था करने के लिए कहा गया लेकिन वे तुरंत डोनर नहीं जुटा सके। उन्होंने अस्पताल स्टाफ और ब्लड बैंक से कम से कम एक यूनिट ब्लड देने की मांग की, ताकि इलाज शुरू हो सके, लेकिन उन्हें खून नहीं दिया गया। सोमवार शाम इलाज के दौरान दीपिका ने दम तोड़ दिया। रिश्तेदारों ने अस्पताल मैनेजमेंट पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

वहीं इस मामले में सिविल सर्जन ने युवती की मौत ब्लड की कमी से होने के आरोप से इनकार किया है। उनका कहना है कि मौत की असली वजह रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच टीम बना दी गई है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

## रामाराम जलाशय के जीर्णोद्धार के लिए सवा करोड़ रुपए स्वीकृत

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा सुकमा जिले के विकासखण्ड सुकमा के अंतर्गत रामाराम जलाशय योजना के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 1 करोड़ 16 लाख 6 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह पहल सुकमा क्षेत्र में कृषि विकास को गति देने और स्थानीय किसानों की जल आवश्यकताओं को पूरा करने में बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। इस योजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के स्थानीय किसानों को 69 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलने लगेगी। जल संसाधन विभाग द्वारा इस योजना के कार्यों को समय पर और गुणवत्तापूर्वक संपन्न कराने के लिए अफसरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

## बिलासपुर से बेंगलुरु के बीच कल से चलेगी समर स्पेशल ट्रेन, पांच फेरों के लिए शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** भारतीय रेलवे ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए बिलासपुर से येलहंका के बीच पांच-पांच फेरों के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस विशेष ट्रेन के संचालन से यात्रियों को कन्फर्म बर्थ के साथ सुगम और आरामदायक यात्रा सुविधा मिल सकेगी।

गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-येलहंका (बेंगलुरु) समर स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से प्रत्येक बुधवार को तीन जून 2026 से एक जुलाई 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08262 येलहंका (बेंगलुरु)-बिलासपुर समर स्पेशल ट्रेन येलहंका से प्रत्येक गुरुवार को चार जून 2026 से दो जुलाई 2026 तक चलेगी। इस गाड़ी में दो एसएलआरडी, चार सामान्य, 10 स्लीपर और चार एसी थर्ड कोच सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

## रायपुर के मिवान स्टील प्लांट में भीषण आग, दूर तक दिखीं लपटें

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद क्षेत्र स्थित मिवान स्टील लिमिटेड प्लांट में मंगलवार सुबह अचानक आग लगने से औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे परिसर में धुएं का घना गुबार छा गया और ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब साढ़े पांच बजे प्लांट से धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसके बाद कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कवायद शुरू की गई।

आग की तीव्रता अधिक होने के कारण दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। घंटों तक चले रेस्क्यू और फायर फाइटिंग ऑपरेशन के दौरान आग को फैलने से रोकने का प्रयास किया जाता रहा। मौके पर पुलिस, प्रशासन और राजस्व विभाग के अधिकारी भी पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। घटना के बाद प्लांट के आसपास सुरक्षा घेरा बना दिया गया। प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि आग लगने के वक्त परिसर में कितने कर्मचारी मौजूद थे और किसी के प्रभावित होने की आशंका तो नहीं है।

प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। हालांकि तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट जैसी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। संबंधित एजेंसियां आग के कारणों के साथ-साथ हुए नुकसान का भी आकलन कर रही हैं। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देता रहा। इससे आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल बन गया।

## सुप्रीम कोर्ट को मिले पांच नए जज, सीजेआई सूर्यकांत ने दिलाई शपथ, संख्या बढ़कर 37

**नई दिल्ली।** भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मंगलवार को पांच नए जजों को शपथ दिलाई। इन नियुक्तियों के बाद सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो गई। अब कोर्ट में स्वीकृत 38 पदों में से केवल एक पद खाली रह गई है।

नए जजों में वरिष्ठ वकील वेंकिता सुब्रमणि मोहना, बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस चंद्रशेखर, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव सचदेवा और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अरुण पल्ली शामिल हैं।

### वकील से सीधे जज बनी वीएस मोहना

वरिष्ठ वकील वेंकिता सुब्रमणि मोहना की नियुक्ति काफी महत्वपूर्ण है। वे जस्टिस इंदु मल्होत्रा (2018) के बाद देश की दूसरी ऐसी महिला वकील हैं, जिन्हें सीधे बार से सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया है। 59 वर्षीय मोहना ने 1988 में कोयंबटूर लॉ कॉलेज से पढ़ाई पूरी की थी। साल 2015 में उन्हें वरिष्ठ वकील का दर्जा मिला था। अब सुप्रीम कोर्ट में दो महिला जज हो गई हैं- जस्टिस मोहना और जस्टिस बी वी नागरत्ना। जस्टिस नागरत्ना साल 2027 में एक महीने से अधिक समय के लिए भारत की मुख्य न्यायाधीश भी बनेंगी।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 27 मई को इन नामों की सिफारिश की थी, जिसे सरकार ने महज चार दिनों में हरी झंडी दे दी।

## संपादकीय

# विराट और वैभव

### आईपीएल में अनुभव और युवा जोश का संगम

भले ही फटाफट क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाला आईपीएल बाजार और नई पीढ़ी के जुनून का संगम हो, लेकिन लोकप्रियता के नये आयाम तय करता यह खेल अब दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों की पहली पसंद बन गया है। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे चमकीले सितारे बनकर उभरे टी-20 सनसनी वैभव सूर्यवंशी। महज पंद्रह साल की उम्र में उनकी कामयाबी हैरत में डालने वाली है। वहीं अनुभवी क्रिकेटर विराट कोहली ने अपने खास अंदाज में सबका ध्यान आकर्षित किया। इस 37 वर्षीय दिग्गज क्रिकेटर ने फाइनल में तूफानी अर्धशतक लगाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को लगातार दूसरी बार ट्रॉफी दिलाई। दो महीने तक चले इस टूर्नामेंट में कोहली की फॉर्म और फिटनेस शानदार रही है। यही वजह है कि वर्ष 2027 एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में उनकी भागीदारी अब लगभग तय लग रही है। खुद कोहली ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी मन:स्थिति में बदलाव लाने और युवा खिलाड़ियों से थोड़ा सीखने की जरूरत थी, ताकि वे टी-20 क्रिकेट में अपने खेल को नये सिरे से निखार सकें। यह सुखद ही है कि इस दिग्गज क्रिकेटर की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति भारतीय क्रिकेट को आकार दे रही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की खूबसूरत बानगी को ही दर्शाती है। निस्संदेह, हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग सीजन ने साफ दिखाया कि दो पीढ़ियों के क्रिकेटर कैसे एक-दूसरे के पूरक भी हो सकते हैं। वास्तव में, विराट कोहली आज भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी की छवि को बनाये हुए हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी जैसे उदीयमान खिलाड़ी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस फटाफट क्रिकेट में खेल का निरंतर विकास होता रहेगा। यह सुखद ही है कि राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी सूर्यवंशी ने अधिकांश पुरस्कार अपने नाम किए हैं। मसलन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइक ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप विजेता और सुपर सिक्स ऑफ द सीजन जैसे खिताब हासिल किए।

> “ दो महीने तक चले इस टूर्नामेंट में कोहली की फॉर्म और फिटनेस शानदार रही है। यही वजह है कि वर्ष 2027 एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में उनकी भागीदारी अब लगभग तय लग रही है। खुद कोहली ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी मन:स्थिति में बदलाव लाने और युवा खिलाड़ियों से थोड़ा सीखने की जरूरत थी, ताकि वे टी-20 क्रिकेट में अपने खेल को नये सिरे से निखार सकें। यह सुखद ही है कि इस दिग्गज क्रिकेटर की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति भारतीय क्रिकेट को आकार दे रही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की खूबसूरत बानगी को ही दर्शाती है।

इसमें दो राय नहीं कि वैभव सूर्यवंशी के क्रिकेट के वैभव ने आज पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। क्रिकेट की दुनिया के तमाम दिग्गज क्रिकेटर इस उदीयमान खिलाड़ी के क्रिकेट के कारनामों से हतप्रभ हैं। वे वैभव को आशीष व अनुभव दे रहे हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर ने उसे अपना स्वाभाविक क्रिकेट खेलने की सलाह तक दी है। इतना ही नहीं, भारत के चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान में भी वैभव को पूरा लाड मिल रहा है। पूरे पाकिस्तान में उसकी खेल तकनीक की खूब चर्चा होती है। निस्संदेह, उनकी निडर बल्लेबाजी और उल्लेखनीय रूप से निरंतर बेहतर खेलना, क्रिकेट के छोटे प्रारूप के प्रति नई पीढ़ी के साहसिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। हालांकि, उनकी प्रतिभा को लगातार अभ्यास से हासिल व कुछ लोगों द्वारा नैसर्गिक प्रतिभा कहा जा रहा है, लेकिन चर्चा उनकी इतनी कम उम्र में हासिल परिपक्वता को लेकर भी है। सही मायने में दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की सूर्यवंशी की क्षमता ठीक उसी गुण को दर्शाती है,जिसने वर्षों तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है। निस्संदेह, मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग के संस्करण में, जिस तरह क्रिकेट प्रतिभाओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी नजर आती है, उसे टी-20 विश्व चैंपियन भारत के लिये शुभ संकेत ही कहा जा सकता है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों तथा वर्ष 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में टी-20 क्रिकेट को शामिल किया जा रहा है। ऐसे में भरोसा बढ़ता है कि क्रिकेट को दीवानगी के साथ जीने वाले इस देश को आने वाले वर्षों में क्रिकेट की कई बड़ी उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि दुनिया का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई महिला क्रिकेट को भी पुरुष क्रिकेट के समान निखरने हेतु संबल देगा। हालांकि, भारत में महिला टी-20 क्रिकेट की घरेलू शृंखलाएं आरंभ हो चुकी हैं, लेकिन अभी इस दिशा में काफी कुछ किया जाना बाकी है। ताकि भारत क्रिकेट के सभी प्रारूपों में अपनी बादशाहत कायम रख सके।

# भारत और ओमान द्वारा एक नए आर्थिक गलियारे को गति

राजेश अग्रवाल

भारत और ओमान के बीच वाणिज्यिक रिश्ते सदियों से चलते आ रहे हैं। दोनों देशों का एक साझा इतिहास प्राचीन नावों के पाल पर सवार होकर आगे बढ़ता रहा है और पीढ़ियों से चले आ रहे सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए कायम रहा है। भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) इस सभ्यतागत बंधन को और मजबूत करता है। एक ऐसे दौर में जब वैश्विक व्यापार भू-राजनैतिक प्रतिद्वंद्विताओं, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बढ़ते संरक्षणवाद से जूझ रहा है, यह समझौता भरोसेमंद साझेदारों के साथ आर्थिक जुड़ाव को गहरा करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। वर्ष 2022 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हुए ऐतिहासिक समझौते के बाद, यह सीईपीए खाड़ी देशों के साथ भारत की बढ़ती आर्थिक भागीदारी को मजबूती से स्थापित करता है।

द्विपक्षीय व्यापार में लगातार विस्तार हुआ है और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 11.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। जबकि, सेवाओं का व्यापार 2024 में 863 मिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा। आर्थिक रिश्तों का विविधीकरण हुआ है और इसमें परंपरागत वस्तुओं से परे इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी सेवाओं का समावेश हुआ है। फिर भी, काफी अनछुई संभावनाएं अभी भी बाकी हैं। वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार, निवेश, पेशेवर आवाजाही और नियामकीय सहयोग को शामिल करके, यह सीईपीए अधिक सुदृढ़, समन्वित और व्यापक आर्थिक साझेदारी का एक व्यापक ढांचा तैयार करता है।

### भारतीय निर्यात के विकास का प्रवेश द्वार

इस सीईपीए के तहत ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर भारतीय निर्यात को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच हासिल है। इस समझौते से पहले, भारत के निर्यात का सिर्फ लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा ही सर्वाधिक तरजीह वाले देश (मोस्ट फेवर्ड नेशन) की व्यवस्था के तहत ओमान में शुल्क-मुक्त प्रवेश करता था, जबकि शेष पर 5 प्रतिशत तक का शुल्क लगता था। इस सीईपीए के तहत, भारत के वर्तमान निर्यात की 99.38 प्रतिशत मात्रा अब शुल्क-मुक्त प्रवेश का लाभ उठाएगी।

भारतीय निर्यातकों की दृष्टि से, ये लाभ काफी महत्वपूर्ण हैं। ओमान के 'विजन 2040' के तहत बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विविधीकरण में उसके द्वारा किए जा रहे निवेश से मांग में वृद्धि होगी। वित्त वर्ष 2024-25 में 875.83 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात के 2030 तक बढ़कर 1.3 से 1.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच होने का अनुमान है। शून्य शुल्क की सुविधा के जरिए वस्त्र एवं परिधान सेक्टर को क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धियों पर महत्वपूर्ण बढ़त मिलेगी। इससे तिरुपुर, सूरत, लुधियाना और कोयंबटूर जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी और साथ ही रोजगार भी सृजित होगा।

मौके व्यापक और विविध हैं। आयात पर निर्भर ओमान का दवा बाजार भारतीय कंपनियों के लिए मजबूत संभावनाएं पेश करता है। नियामकीय मंजूरियों में तेजी, गुणवत्ता प्रमाणपत्रों की मान्यता और प्रमुख उत्पादों के शुल्क-मुक्त पहुंच से अनुपालन संबंधी लागत में कमी आएगी और बाजार में पैठ बढ़ेगी। चावल, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मसाले और कन्फेक्शनरी सहित कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण आधारित निर्यात को भी लाभ होगा।

### खुलते बाजार, हितों का संरक्षण

भारत के हालिया व्यापार समझौतों के अनुरूप, इस सीईपीए में एक संतुलित और सुविचारित दृष्टिकोण का समावेश है। जहां एक ओर भारत प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने एवं वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में शामिल होने के लिए बाजारों को खोल रहा है, वहीं दूसरी ओर संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रहा है। दुग्ध तथा अनाज जैसे प्रमुख कृषि उत्पादों के साथ-साथ रबर, वस्त्र और जूते जैसे उद्योग सुरक्षित बने हुए हैं। यह दृष्टिकोण बाहरी बाजारों तक पहुंच और घरेलू कमजोरियों से बचाव को एक साथ जोड़ता है।

भारत ने ओमान से आयात होने वाले लगभग 95 प्रतिशत उत्पादों पर लागू होने वाली अपनी 77 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लाइनों को उदार बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे ओमान के प्रमुख निर्यातों, खासकर मेथनॉल और निर्जल अमोनिया जैसे औद्योगिक इनपुट को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा। ओमान को धातुओं और मिश्र धातुओं की एक विस्तृत श्रृंखला में तरजीही बाजार पहुंच हासिल होगी। इससे हमारे दोनों देशों को कम उत्पादन लागत का लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

जिन क्षेत्रों में भारत के रक्षात्मक हित हैं, उन क्षेत्रों में टैरिफदर कोटा (टीआरक्यू) के जरिए ओमान को पहुंच प्रदान की गई है। यह व्यवस्था निर्दिष्ट मात्रा की सीमा के भीतर खजूर, संगमरमर और चुनिंदा पेट्रोकेमिकल जैसे उत्पादों के तरजीही निर्यात की अनुमति देती है। बेहद सावधानीपूर्वक तैयार किया गया जुड़ाव का यह तरीका प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के साथ-साथ संक्रमण काल के दौरान कमजोर क्षेत्रों को सहायता भी प्रदान करता है।

### व्यापार, प्रतिभा और विश्वास

यह सीईपीए भारतीय सेवा प्रदाताओं को उन सभी क्षेत्रों में बाध्यकारी प्रतिबद्धताएं प्रदान करता है, जहां भारत की स्थिति स्पष्ट रूप से मजबूत है। इनमें आईटी, पेशेवर सेवाएं और निर्माण क्षेत्र शामिल हैं। विभिन्न क्षेत्रों में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने वाले प्रावधानों के साथ, भारतीय कंपनियों को ओमान में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के अधिक मौके मिलेंगे।

प्रतिभाओं की दृष्टि से भी, यह समझौता एक बड़ी उपलब्धि है। कंपनी के भीतर स्थानांतरित कर्मचारियों (इंट्रा-कॉरपोरेट ट्रांसफरी) की सीमा को 50 प्रतिशत तक बढ़ाकर, भारतीय कंपनियों को अब विशिष्टता प्राप्त कर्मचारियों को आसानी से तैनात करने तथा बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति को और अधिक मजबूत करने की सुविधा मिल गई है। इसके अलावा, किसी भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में पहली बार, ओमान ने स्वतंत्र पेशेवरों के लिए एक समर्पित आवाजाही की व्यवस्था स्थापित की है। अब जबकि वैश्विक स्तर पर जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण कारखानों में श्रमिकों की कमी हो रही है और आधुनिक मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर एआई एवं रोबोटिक्स के साथ जुड़ रहा है, ऐसे में यह प्रावधान भारतीय प्रतिभाओं के लिए दुनिया भर में एक सशक्त मिसाल कायम करता है।

इस सीईपीए में समर्पित स्वास्थ्य सेवा का एक परिशिष्ट भी शामिल है, जो आयुर्वेद जैसी पारंपरिक प्रणालियों को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में शामिल करने में सुविधा प्रदान करता है। साथ ही, यह चिकित्सा पेशेवरों के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को भी सुव्यवस्थित करता है। इसके अलावा, एक अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा समझौते से संबंधित बातचीत से भविष्य में भारतीय प्रवासी समुदाय को दोहरे योगदान के बोझ से बचाया जा सकेगा।

### क्षेत्रीय मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण

भारत-ओमान सीईपीए नियामकीय सहयोग, सामंजस्यपूर्ण मानकों और अनुरूपता मूल्यांकन प्रक्रियाओं के जरिए गैर-टैरिफबाधाओं को दूर करके टैरिफ से परे जाता है। यह भारत के आधुनिक व्यापार समझौतों से जुड़े उच्च मानकों को दर्शाता है और सीमा के भीतर मौजूद वाणिज्य में रुकावट डालने वाली विभिन्न बाधाओं को दूर करता है।

भारत एक बेहद ही एकीकृत क्षेत्रीय व्यापार संरचना की नींव रख रहा है। भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से जुड़े सभी साझेदार मिलकर अब वैश्विक जीडीपी का लगभग 67 प्रतिशत और वस्तुओं एवं सेवाओं के वैश्विक आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा हैं।

खाड़ी, पूर्वी अफ्रीका और व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र के मिलन बिंदु पर स्थित, ओमान को एक अनूठी भौगोलिक हैसियत हासिल है। सोहार, दुक्म और सलालाह जैसे ओमान के लॉजिस्टिक्स व औद्योगिक केन्द्र भारत की मैन्यूफैक्चरिंग संबंधी विशेषज्ञता एवं प्रतिभाओं को व्यापक मध्य पूर्व और अफ्रीका के साथ जोड़कर मूल्य श्रृंखलाओं को एकीकृत कर सकते हैं। इसका परिणाम क्षेत्रीय संपर्क और विकास के लिए निर्मित एक साझेदारी के रूप में सामने होगा।

व्यापार समझौते तभी सफल होते हैं जब वे भरोसा पैदा करते हैं, व्यवसायों को निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, श्रमिकों को नए कौशल हासिल करने के लिए प्रेरित करते हैं और अर्थव्यवस्थाओं को स्थायी साझेदारी बनाने के लिए आगे बढ़ाते हैं। यह सीईपीए ठीक यही काम कर रहा है। यह सदियों पुराने रिश्ते को इक्कीसवीं सदी की हकीकतों के अनुरूप एक रणनीतिक आर्थिक साझेदारी में परिवर्तित कर रहा है।

**( लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं )**

# युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन खत्म करना मुश्किल

सैयद अता हसनैन

संघर्षों की शब्दावली अब काफी बदल गई है। रणनीतिक विमर्श में हाइब्रिड, अन-रेस्ट्रिक्टेड और कॉग्निटिव वारफेयर जैसे शब्द खूब चलन में हैं। फिर भी, 'ग्रे जोन' की व्याख्या अकसर बहुत सीमित मायनों में की जाती है, यानी पारंपरिक युद्ध की सीमा से नीचे होने वाली गतिविधियां- जैसे साइबर घुसपैठ, प्रॉक्सी संघर्ष, आर्थिक दबाव या दुष्प्रचार के अभियान। लेकिन हालिया संघर्ष एक गहरे बदलाव को दिखाते हैं।

अब आधुनिक युद्ध लगातार बने रहने वाली 'ग्रे जोन' परिस्थितियों में लड़े जा रहे हैं- ऐसा रणनीतिक वातावरण, जिसकी खासियत अस्पष्टता, नियंत्रित तनाव वृद्धि, राजनीतिक संयम, तकनीकी असमानता और नैरेटिव की प्रतिस्पर्धा हैं। इसमें ग्रे जोन ऑपरेशन तो महज औजार हैं, जबकि ग्रे जोन परिस्थितियां वो व्यापक रणनीतिक वातावरण बनाती हैं, जिनमें हालिया संघर्ष घट रहे हैं। 21वीं सदी के वारफेयर को इसी अंतर से समझा जा सकता है।

पारंपरिक संघर्ष स्पष्टत: दो चीजों पर आधारित होते थे- शांति या युद्ध, जीत या हार। यह धारणा अब समाप्त होती जा रही है। आधुनिक युद्ध शायद ही कभी पूरी जीत तक पहुंचते हैं। इसके बजाय, देश या दूसरे नॉन-स्टेट समूह संघर्ष में स्थितिजन्य लाभ, रणनीतिक बढ़त और मनोवैज्ञानिक प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। साथ ही वे उस सीमा को पार करने से भी बचते हैं, जहां हालात को राजनीतिक रूप से संभालना कठिन हो।

ईरान युद्ध में आज यही दिख रहा है। ये अस्पष्टता संघर्ष की कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सोचा-समझा रणनीतिक हथियार बन चुकी है। इस बदलाव के लिए कई संरचनात्मक फैक्टर्स उत्तरदायी हैं। परमाणु हथियारों के कारण बड़ी ताकतें सावधानी बरतती हैं। परस्पर आर्थिक निर्भरता लंबे संघर्षों की कीमत बहुत बढ़ा देती है। सूचना क्रांति ने जवाबी कार्रवाई का समय बहुत कम कर दिया और सोशल मीडिया को युद्धक्षेत्र जैसा बना दिया है। सबसे अहम यह है कि तकनीकी विकास के चलते उन क्षमताओं तक सभी की पहुंच हो गई, जिन पर कभी सिर्फ बड़ी सैन्य ताकतों का एकाधिकार था।

नतीजतन, स्पष्ट जीत हासिल कर पाना कठिन होता जा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भी यह साफ दिखता है। बड़े पारंपरिक सैन्य टकराव के बावजूद यह युद्ध आज भी परमाणु धमकियों, प्रतिबंधों, साइबर ऑपरेशनों और ड्रोन वारफेयर से निर्मित व्यापक ग्रे जोन में अटका है। भारी संसाधन खपाने के बावजूद किसी को निर्णायक बढ़त नहीं मिली।

गाजा, लेबनान और यमन के संघर्षों में भी नजर आता है कि सैन्य श्रेष्ठता अब राजनीतिक समाधान की गारंटी नहीं देती। इजराइल के पास जबरदस्त सैन्य बढ़त है, लेकिन निर्णायक परिणाम हासिल नहीं हो सका, क्योंकि हूती जैसे समूह सस्ते ड्रोन और मिसाइलों के हमलों से लाल सागर के अहम समुद्री मार्गों को बाधित कर रहे हैं। कमजोर प्रतिद्वंद्वी अब पूरी जीत नहीं, बल्कि टिके रहने, बाधा डालने और बने रहने की क्षमता हासिल करना चाह रहे हैं।

तकनीक के प्रसार ने भी कमजोर देशों और प्रॉक्सी समूहों की ड्रोन, साइबर टूल्स, सटीक मार करने वाली मिसाइलों और इन्फॉर्मेशन वारफेयर की क्षमताओं तक पहुंच सुलभ कर दी है। भले ही वे युद्ध जीतने में सक्षम न हों, लेकिन उनके पास मजबूत प्रतिद्वंद्वियों की निर्णायक जीत को रोके रखने की अभूतपूर्व क्षमता है।

अब इससे एक नई रणनीतिक स्थिति पैदा हुई- जीत मिले बिना युद्ध से अलग होना। अकसर युद्ध अब औपचारिक शांति समझौते या आत्मसमर्पण से नहीं, बल्कि एक असहज विराम, अस्थायी सीजफायर या प्रबंधित तरीके से मिलिट्री डिसइंगेजमेंट के रूप में खत्म होते हैं। बड़ी ताकतें सैन्य श्रेष्ठता बनाए रखती हैं, लेकिन राजनीतिक उद्देश्य पूरी तरह हासिल नहीं कर पातीं। निर्णायक परिणामों का स्थान अब रणनीतिक थकान लेने लगी है।

एक और महत्वपूर्ण बदलाव है- युद्धक्षेत्र का विस्तार। युद्ध अब केवल सेना और सीमा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बुनियादी ढांचा, संचार प्रणाली, एनर्जी ग्रिड, वित्तीय नेटवर्क और आम धारणा- ये सब भी युद्धक्षेत्र में आ चुके हैं। सैन्य अभियानों के साथ नैरेटिव मैनेजमेंट भी प्रमुख रणनीतिक साधन बन गया है। जो देश लंबे तनाव के दौरान सामाजिक एकता, आर्थिक स्थिरता और जनता का भरोसा बनाए रख सकेंगे, दीर्घकालिक रणनीतिक बढ़त उन्हें ही मिलेगी।

निर्णायक परिणाम वाले युद्धों का युग समाप्त हो रहा है। उनकी जगह ऐसी स्थायी प्रतिस्पर्धाएं ले रही हैं, जो पारंपरिक युद्ध की सीमा के आसपास और उसके भीतर जारी रहती हैं। रणनीतिक अस्पष्टता अब एक प्रमुख हकीकत बन चुकी है।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

# एक रेशमी आवाज़ का यूं खामोश होना

राजेन्द्र शर्मा

वर्ष 1964 में मशहूर देशभक्ति गीत 'ए मेरे वतन के लोगों' को गाने के लिए सुमन कल्याणपुर का चयन हुआ। सुमन कल्याणपुर ने इस गीत और मौके की महत्ता को समझते हुए गाने की तैयारी भी कर ली। यहां तक कि प्रधानमंत्री नेहरू के सामने इसकी रिहर्सल भी हुई, लेकिन ऐन वक्त पर यह गीत लता मंगेशकर को दे दिया गया।

अप्रैल के पहले पखवाड़े से ही संगीत की दुनिया पर काल के क्रूर पंजे दुखदायी बने हुए हैं। 12 अप्रैल को पार्श्व गायिका आशा भोसले, 14 अप्रैल को हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी नीला भागवत, 14 मई को तबला वादक साबिर खान के आकस्मिक निधन से गहराए दुख से अभी उबर भी नहीं पाए थे कि 31 मई की शाम 89 वर्षीय पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर इस फानी दुनिया से रुखसत हो गईं।

पार्श्व गायिका के रूप में सुमन कल्याणपुर ने अपने लंबे करिअर में 740 से अधिक फिल्मी और गैर-फिल्मी गीतों को अपनी सुरीली आवाज दी। हिंदी के अलावा उन्होंने मराठी, बंगाली, गुजराती, भोजपुरी, पंजाबी, असमिया, कन्नड़ आदि अन्य भाषाओं में भी गाया। मोहम्मद रफी के साथ 140 से अधिक युगल गीत गाने का भी उनका रिकॉर्ड है। वर्ष 2023 में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। लेकिन सुमन कल्याणपुर के मामले में यह सवाल ही बेमानी हो जाता है। दरअसल, नियति ने उनके जीवन में ऐसा खेल खेला कि जिस सम्मान की वह हकदार थीं, वह उन्हें मिला ही नहीं।

28 जनवरी, 1937 को कलकत्ता में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में कार्यरत शंकर राव हेमाडी की पुत्री के रूप में जन्मी सुमन कल्याणपुर छह वर्ष की उम्र में पिता का ट्रांसफर होने के कारण मुंबई आ गई थीं। बचपन से ही शांत और मर्यादित सुमन कला प्रेमी थीं। चित्रकला में गहरी रुचि के चलते सुमन ने जे.जे. स्कूल ऑफआर्ट में दाखिला भी लिया। एकाएक सुमन संगीत की ओर आकर्षित हुईं और केशवराव भोले से संगीत सीखना शुरू किया तथा उस्ताद ख़ान अब्दुल रहमान ख़ान व गुरुजी मास्टर नवरंग से संगीत की विधिवत शिक्षा प्राप्त की। साल 1952 में सुमन को ऑल इंडिया रेडियो पर गाने का अवसर मिला।

सुरीली, संयत आवाज़ की धनी सुमन को अभिनेता व फिल्ममेकर शेख मुख्तार ने रेडियो पर सुना तो शुक्राची चांदनी नामक मराठी फिल्म में गाने का मौका दिया। शुक्राची चांदनी के बाद शेख मुख्तार ने हिंदी

फिल्म मंगू में भी सुमन को मौका दिया। इस फिल्म के लिए सुमन कल्याणपुर की आवाज में तीन गाने रिकॉर्ड किए गए थे, लेकिन एक विवाद के चलते संगीतकार मोहम्मद शफी उस फिल्म से हट गए और ओ.पी. नय्यर को मंगू का संगीत तैयार करने की ज़िम्मेदारी मिली, तो सुमन कल्याणपुर की गाई सिर्फ़ एक लोरी ही उस फिल्म में बची। वर्ष 1954 में गुरुदत्त ने अपनी फिल्म आर-पार में मौका दिया, किन्तु नियति का खेल यह रहा कि आर-पार के गीत 'मोहब्बत कर लो जी भर लो, अजी किसने रोका है' में संगीतकार ओ.पी. नय्यर ने इक्का-दुक्का लाइनें ही सुमन से गवाईं, बाकी यह गीत रफ़ी साहब व गीता दत्त से गवाया गया। इस पूरे गाने में वह बस एक कोरस गायिका ही बनकर रह गईं।

वर्ष 1958 में मुंबई के एक बिजनेसमैन रामानंद कल्याणपुर से विवाह के बाद सुमन हेमाडी से सुमन कल्याणपुर बनीं। 1964 में नियति ने फिर खेल खेला। जिसे स्वयं सुमन कल्याणपुर ने अपने एक इंटरव्यू में बयां किया था। किस्सा यह है कि 1964 में मशहूर देशभक्ति गीत 'ए मेरे वतन के लोगों' को गाने के लिए सुमन कल्याणपुर का चयन हुआ। सुमन कल्याणपुर ने इस गीत और मौके की महत्ता को समझते हुए गाने की तैयारी भी कर ली।

यहां तक कि प्रधानमंत्री नेहरू के सामने इसकी रिहर्सल भी हुई, लेकिन ऐन वक्त पर यह गीत लता मंगेशकर को दे दिया गया। इसी बीच लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी के बीच रॉयल्टी विवाद के चलते साठ का दशक सुमन कल्याणपुर के लिए खूबसूरत समय बनकर आया। 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे', 'ना ना करते प्यार तुम ही से', 'तुमने पुकारा और हम चले आए', 'परबतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है', 'दिल ने फिर याद किया', 'तुझको दिलबरी की कसम', 'चांद तकता है इधर' जैसे सैकड़ों सदाबहार गीत सुमन कल्याणपुर की झोली में आ गिरे। सुमन कल्याणपुर की आवाज लता मंगेशकर के काफी करीब थी, लेकिन उनकी आवाज की अपनी एक अलग रवानगी और खनक थी। फिर भी उनके गाए गीतों को सुनते ही अक्सर लोग मान लेते हैं कि यह तो लता गा रही हैं। उन्हें अक्सर 'द अदर लता' या 'दूसरी लता' कहा जाने लगा। यह दंश सुमन कल्याणपुर ने पूरे जीवन सहा।

उधर लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी के बीच रॉयल्टी का विवाद समाप्त हुआ तो सुमन कल्याणपुर को काम मिलना कम होता गया। वर्ष 1981 में आई 'नसीब' फिल्म का गीत 'ज़िंदगी इम्तिहान लेती है' सुमन कल्याणपुर का आखिरी फिल्मी गीत साबित हुआ। 'नसीब' फिल्म के बाद सुमन कल्याणपुर को गाने के मौके मिले। लेकिन कभी ऐसा हुआ कि वे फिल्में ही रिलीज़ नहीं हुईं। यह भी हुआ कि सुमन जी की आवाज़ हटाकर किसी दूसरी गायिका से वे गाने गवा लिए गए।

वर्ष 2008 में सुमन कल्याणपुर के पति रामानंद कल्याणपुर के निधन के बाद सुमन कल्याणपुर ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होना लगभग बंद कर दिया था। पार्श्वगायन के अपने 28 साल के करिअर में सुमन कल्याणपुर ने एक से एक बेशकीमती, सदाबहार गाने गाकर एक सम्मानजनक स्थान बनाया। स्वर साधना व स्वर सिद्धि के आकाश में वे ऊंचाई पर थीं। लेकिन प्रतिस्पर्धा और राजनीति से भरी हुई फिल्मी दुनिया में 'द अदर लता' या 'दूसरी लता' कहलाने से वह आहत ज़रूर थीं। उनकी मधुर, रेशमी और शहद-सी मीठी आवाज़ सदैव उनकी याद दिलाती रहेगी।

## शतक लगाकर भी कहां थम रहा पेट्रोल

सहवाग ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरी मारी थी तो लगा कि अब रुकेंगे, फिर डबल सेंचुरी मारी तो लगा अब रुकेंगे। नहीं वह रुके। टेंशन यह है कि 100 के पार जाकर पेट्रोल यह न कह दे, वैभव सूर्यवंशी की तरह अभी मेरी शुरुआत है। लगातार कई बार उछलकर पेट्रोल 100 के पार पहुंचा।

पेट्रोल टेस्ट में हाइएस्ट स्कोर करने वाले वीरेंद्र सहवाग की तरह बर्ताव कर रहा है। सहवाग ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरी मारी थी तो लगा कि अब रुकेंगे, फिर डबल सेंचुरी मारी तो लगा अब रुकेंगे। नहीं वह रुके। टेंशन यह है कि 100 के पार जाकर पेट्रोल यह न कह दे, वैभव सूर्यवंशी की तरह अभी मेरी शुरुआत है।

कॉकरोच ने ट्रंप से कहा, हम दोनों एक जैसे हैं— कोर्ट से भी नहीं रुकते, जहां नहीं जाना वहीं घुस जाते हैं। बस एक फर्क है— मैं दौड़ता हूं तो पहुंचता भी हूं। आप वहीं के वहीं हैं डील के इंतजार में।

मॉरल ऑफ दि स्टोरी- न्यूक्लियर वार के बाद दो चीज़ें बचेंगी — कॉकरोच और ट्रंप के टैरिफ़।

उधर पाकिस्तानी जनरल मुनीर अमेरिका की दलाली में इतनी बार ईरान आये-गये कि धरती से मंगल ग्रह की दूरी तय हो गयी। पर मिला क्या, इस सवाल का जवाब यह है कि जनरल साहब को बीस पच्चीस बार का खाना शांति के साथ ईरान में मिल गया, यह बड़ी उपलब्धि है। क्योंकि पाकिस्तान में महंगे पेट्रोल से परेशान पाकिस्तानी तो हुक्मरानों को ही खाने दौड़ रहे हैं।

शायर ब्रेकअप देहलवी बोले— पेट्रोल को दामाद समझो। एक बार देकर मामला खत्म नहीं होता। फिर काका हाथरसी की कविता याद आई—

बड़ा भयंकर जीव है, इस जग में दामाद,
सास-ससुर को चूस कर, कर देता बरबाद।
कर देता बरबाद, आप कुछ पियो न खाओ,
मेहनत करो, कमाओ, इसको देते जाओ।

मॉरल ऑफ द स्टोरी यह कि दामाद हो या पेट्रोल — दोनों का भाव कई बार चढ़ता है। उधर मिर्जा गालिब ने कहा, ट्रंप शेर सुनो—

आपसे मिलना मुसीबत का फेर होता है,
हो कमजोर दुश्मन, तो ट्रंप शेर होता है,
कोई मिल जाये, ईरान-सा अगर दुश्मन,
तो हमने देखा, फिर ट्रंप ढेर होता है।

ट्रंप शेर समझ गये हैं, यह समझते ही गालिब भाग लिये। अब ट्रंप साहित्य का नोबल मांगेंगे, क्योंकि बड़े-बड़े शायर उनके सामने भाग लेते हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## प्रमुख खबरें

### पाटन जनपद पंचायत उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी की जीत

**पाटन।** जनपद पंचायत पाटन क्षेत्र क्रमांक-4 के उपचुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी उर्वशी शैलेश साहू ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी सुरेन्द्र साहू को 1131 मतों के बड़े अंतर से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की है। इस चुनाव में जोहार पार्टी की सक्रिय मौजूदगी भी चर्चा का विषय रही, जिसके चलते भाजपा प्रत्याशी अपने गांव पाहंदा के बूथों में तीसरे स्थान पर खिसक गए।

### कामधेनु विवि में दो महीने से नहीं मिला वेतन, आक्रोश

**दुर्ग।** कामधेनु विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को अप्रैल और मई महीने का वेतन भुगतान नहीं हुआ है। कर्मचारियों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वेतन नियमित रूप से जारी नहीं हो पाता। इस वर्ष मार्च माह का वेतन 19-20 मई, 2026 को भुगतान किया गया जबकि अप्रैल माह का लंबित है और माह अप्रैल व मई का वेतन कब तक प्राप्त होगा, इसकी कोई जानकारी नहीं दी जा रही है।

### 3.57 लाख की लागत से दो स्कूलों में लगेंगे पेवर ब्लॉक

**दुर्ग।** ग्राम पंचायत चिंगरी के दो सरकारी स्कूलों के सौंदर्यीकरण के लिए जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा द्वारा स्वीकृत 3.57 लाख रुपए की राशि से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का भूमिपूजन हुआ। इस अवसर पर पूर्व जनपद सभापति विक्की मिश्रा, पूर्व जनपद सभापति टिकेश्वरी देशमुख, जनपद सदस्य बेला यादव, सरपंच पुष्पा वाघमारे, प्रधान पाठक जेके चंद्राकर, उप सरपंच भूषण देशमुख, पंच गीतांजली साहू आदि मौजूद थे।

### अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस को राष्ट्रीय मान्यता देने मांग

**भिलाई।** अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस पर राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज ने आर्य नगर स्थित राधा वल्लभ मंदिर परिसर दुर्ग में ब्राह्मण गौरव दिवस का आयोजन किया। राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी ने जहां संगठन को मजबूत बनाना की बात कही वहीं महिला मंच की प्रदेश उपाध्यक्ष नविता शर्मा ने एकता और सक्रिय सहभागिता पर जोर दिया। सलाहकार डॉ. विश्वनाथ पाणिग्रही ने अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस को राष्ट्रीय मान्यता देने की मांग रखी।

### 19 जून से 12 जुलाई तक शादियां, हीरे की मांग बढ़ी

**भिलाई।** अधिमास खत्म होते ही 19 जून से पुनः शादी-ब्याह के मुहूर्त शुरू होंगे, जो 12 जुलाई तक रहेंगे। इन 23 दिनों में 18 दिन विवाह के मुहूर्त हैं। इस दौरान दुर्ग जिले में 1500 से अधिक विवाह होने का अनुमान है। इस सीजन में सोने की बजाय हीरे की मांग में उछाल देखा जा रहा है।

### सुशासन तिहार से हितग्राहियों का जीवन हुआ आसान

# करंजा भिलाई के तोपसिंह को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से सौंपी बैटरी चलित ट्रायसायकल की चाबी

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** जिंदगी कभी-कभी इंसान की परीक्षा इतनी कठिन लेती है कि हर दिन एक संघर्ष बन जाता है। दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत करंजा-भिलाई, वार्ड क्रमांक 16 निवासी तोपसिंग साहू की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। 80 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपने परिवार का सहारा बनने के लिए एक छोटे से पान ठेले का संचालन करते रहे। लेकिन उनकी सबसे बड़ी परेशानी थी रोज दुकान तक पहुंचना।

चलने-फिरने में असमर्थ श्री साहू को हर दिन दूसरों की मदद का इंतजार करना पड़ता था। कई बार समय पर दुकान नहीं पहुंच पाने से आमदनी प्रभावित होती थी। शरीर की तकलीफ से ज्यादा उन्हें इस बात का दर्द था कि वे अपनी मेहनत के बावजूद आत्मनिर्भर नहीं बन पा रहे थे। इसी बीच उन्हें समाज कल्याण विभाग की उस योजना की जानकारी मिली, जिसके तहत दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। उम्मीद की एक नई किरण लेकर उन्होंने समाज कल्याण विभाग से संपर्क किया। 31 मई 2026 को सुशासन तिहार के अंतर्गत झाड़ूराम देवांगन स्कूल मैदान, दुर्ग में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में उनके जीवन का सबसे भावुक और यादगार पल आया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने अपने हाथों से उन्हें बैटरी चलित ट्रायसायकल प्रदान की।

मुख्यमंत्री श्री साय के हाथों से ट्रायसायकल मिलते ही श्री तोपसिंग साहू की आंखें खुशी से नम हो उठीं। वर्षों से जिस परेशानी को वे अपनी किस्मत मान चुके थे, उसका समाधान अब उनके सामने था। उनके चेहरे की मुस्कान बता रही थी कि यह सिर्फ एक ट्रायसायकल नहीं, बल्कि सम्मान के साथ जीने की नई ताकत है।

अब श्री साहू आराम से अपनी दुकान तक पहुंचते हैं। उनके काम में नियमितता आई है और आत्मविश्वास भी बढ़ा है। जो रास्ते कभी मुश्किल लगते थे, अब वही रास्ते उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहे हैं। तोपसिंग ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनकी परेशानी का समाधान इतनी संवेदनशीलता से होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार जताते हुए कहा कि शासन की इस पहल ने उनके जीवन को नई उम्मीद और नई पहचान दी है।

## आयुक्त ने सफाई का किया निरीक्षण अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई के निर्देश

**भिलाई ( केपीएस )।** नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत साफ-सफाई, अवैध प्लाटिंग, नाला सफाई सहित अन्य कार्यों का बारिकी से निरीक्षण किये। उपस्थित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करने निर्देशित किये हैं।

निगम आयुक्त, पार्षद मुकेश कुमार अग्रवाल के उपस्थिति में वार्ड क्रं. 02 स्मृति नगर के वार्डो का जायजा लिये। वार्ड में साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किये और सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने कहा गया है, जिससे स्थानीय निवासियों को स्वच्छ वातावरण मिले। बरसात में अधिक वर्षा होने से निचली जगहो पर जलभराव हो जाता है, जिससे नागरिको को परेशानी होती है, ऐसे डूबान क्षेत्र के समस्या को सुधार कराने निर्देशित किये हैं। वार्ड में ही कुछ अवैध प्लाटिंग कर नागरिको को बेच दिया गया है। खरीदीकर्ताओं द्वारा निर्माण भी किया जा रहा है, उन अवैध प्लाटिंगकर्ताओं पर कड़ी कार्रवाई करने निर्देशित किया गया है। समीपस्थ बरसात से पूर्व बड़े नाला की सफाई कराने कहा गया है, जिससे बरसात का पानी न रूके। स्मृति नगर में कुछ माह पूर्व नाली निर्माण किया गया है, जो अव्यवस्थित हो गया है संबंधित के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने कहा गया है।

आनंद नगर में नया नाली निर्माण कराने के आदेश दिया गया है, जिससे नागरिको को सुविधा मिले। आयुक्त ने सड़को का जायजा लिये, कुछ स्थल में सड़क संधारण की आवश्यकता है, संधारण कराने निर्देशित किया गया है। स्मृति नगर में स्थानीय नागरिको द्वारा अपने घरो के सामने नाली के उपर ढलाई कर वाहन पार्किंग के लिए संरचना बनाया गया है, जिससे नालियों की सफाई में रूकावट हो रही है। उन सभी नालियों के उपर से ढलाई हटाकर सफाई कराने कहा गया है। आयुक्त ने पुष्पक नगर स्थित मार्केट का अवलोकन किये और नाली, सड़क की सफाई कराने कहा गया है साथ ही पेवर ब्लाक को व्यवस्थित करने निर्देशित किये हैं। स्मृति नगर तालाब के सामने बड़ा नाला है, जिसकी साफ-सफाई कराने कहा गया है। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया, उप अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

## गार्डन परिसर में चल रहा था अवैध भैंस खटाल, ठोंका 2 हजार रुपए का जुर्माना

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत एक गार्डन परिसर में अवैध रूप से भैंस खटाल संचालित किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर निगम प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। खटाल संचालक द्वारा गार्डन परिसर का उपयोग पालतू पशुओं को रखने एवं खटाल संचालन के लिए किया जा रहा था, जिससे सार्वजनिक स्थल की स्वच्छता एवं सौंदर्य प्रभावित हो रहा था।

निगम अधिकारियों ने खटाल संचालक पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया तथा गार्डन परिसर से सभी पालतू पशुओं को तत्काल हटवाया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी गतिविधियां पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं सौंदर्य बनाए रखने में सहयोग करें तथा अतिक्रमण या नियम विरुद्ध गतिविधि की जानकारी निगम प्रशासन को दें। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र बंजारे, अतिक्रमण प्रभारी हरिओम गुप्ता एवं उनकी टीम उपस्थित रही।

## सेवानिवृत्ति पर चार पुलिस अफसरों व कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** पुलिस विभाग में दीर्घकालीन सेवा देने वाले 4 कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उप निरीक्षक आशा वैष्णव, सहायक उप निरीक्षक राजेश सिंह, प्रधान आरक्षक 1106 बलराम टंडन तथा प्रधान आरक्षक 830 यशवंत देवांगन शामिल रहे। उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुर्ग की उपस्थिति में अधिकारियों द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपने सेवा काल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं ईमानदारी के साथ पुलिस विभाग की गरिमा को बढ़ाया है। विभाग उनके योगदान को सदैव याद रखेगा।

उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भी सेवानिवृत्त कर्मियों के अनुभवों को युवा पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणादायी बताया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भी अपने सेवा अनुभव साझा करते हुए पुलिस विभाग एवं सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकगण, नगर पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक एवं समस्त शाखा प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

### रिकेश की एक और पहल; अब 1 रुपए में मिलेंगे कृत्रिम हाथ-पैर

**भिलाई।** वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन 21 जून 'योग दिवस' के अवसर पर एक नई योजना प्रारंभ करने जा रहे हैं। इस योजना के तहत, जो कृत्रिम हाथ और पैर, जिनका बाजार मूल्य लगभग 2 लाख रुपए तक है, अब क्षेत्र के दिव्यांगजनों को मात्र 1 रुपए के टोकन दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। विधायक रिकेश सेन की जनता के प्रति सोच केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं बल्कि धरातल पर एक मजबूत 'हेल्थ और सोशल केयर मॉडल' के रूप में दिखाई दे रही है। वैशाली नगर विधानसभा में स्वास्थ्य क्रांति के तहत मात्र 1 रुपए की टोकन दर पर एक्स-रे, डायलिसिस, पॉवर वाले चश्मे की सुविधा जारी है। 15 जून से मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशनों की शुरुआत हो रही है। एडवांस्ड एंबुलेंस और फ्रीजर की सुविधा भी उपलब्ध है।

## उतई थाना परिसर में 125 महिला कमांडो को मिली ट्रेनिंग, डायल 1930-1933 के बारे में दी जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

**उतई।** थाना परिसर में थाना क्षेत्र के महिला कमांडो का सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। मुख्य अतिथि पद्मश्री शमशाद बेगम, विशिष्ट अतिथि सरस्वती साहू नगर पंचायत अध्यक्ष उतई एवं जिला सेनानी नगर सेना आपदा मोचन बल नागेंद्र सिंह पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पाटन अनूप लकड़ा एवं पुलिस अनुविभागिय अधिकारी धमधा डॉ चित्रा वर्मा तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।

120-125 की संख्या में महिला कमांडो को नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा तथा सामाजिक अपराधों की रोकथाम में पुलिस का सहयोग करने हेतु निर्देशित करने के साथ-साथ यातायात जागरूकता तथा साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी देकर किसी भी अपराध के लिए डायल 112, सायबर मामलों में 1930 एवं नशे के विरुद्ध करवाही के लिए डायल 1933 के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया।

पद्मश्री शमशाद बेगम ने महिला कमांडो के दायित्वों से अवगत कराते कराया। मौके पर महिला कमांडों को नगरसेना के आपदा मोचन बल द्वारा विषम परिस्थितियों में बचाव के उपाय बताए। यातायात दुर्ग से आए निरीक्षक युवराज साहू द्वारा यातायात नियमों का पालन करने हेलमेट लगाकर वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन न चलाने, ट्रैफिक सिग्नल जंप न करने आदि के संबंध में जानकारी दी गई। उपस्थित महिला कमांडो में खासी उत्साह एवं जुझारू बना देखने को मिला साथ ही साथ महिला कमांडो द्वारा पुलिस को आश्वासत किया गया कि वे उनका हर संभव सहयोग करेंगे।

### सरोवर हमारी धरोहर अभियान का 426वां सप्ताह

# बेहिचक तालाब में उतरकर निकाली 'लद्दी'

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सरोवर हमारी धरोहर है को चरितार्थ करने स्वच्छता प्रहरी बेहिचक तालाब में उतर गए और दुर्गंध युक्त कीचड़, गाद और प्लास्टिक कचरा निकाला। कचरे में पुराने कपड़ों की चिंदी से लेकर पूजा पाठ की सामग्री, बांस की खपच्चियां, प्लास्टिक पन्नी और अन्य सामग्री निकली। तालाबों की सफाई का यह शानदार 426वां सप्ताह है।

रिसाली क्षेत्र स्थित रूआबांधा शीतला तालाब में इससे पहले भी कई बार सफाई की गई है। पर जनजागरूकता के अभाव में लोग तालाबों को कूड़ादान समझ लेते हैं। कभी ठंडा करने के नाम पर तो कभी अपने घर मोहल्ले की सफाई के नाम पर पूरा कचरा तालाब किनारे छोड़ जाते हैं।

जब स्वच्छता प्रहरी तालाब में उतरे तो घाट के आसपास कीचड़, कचरा, चिंदी कपड़ा, झिल्ली पन्नी में उलझ गए। इस कचरे ने दलदल का रूप ले लिया था। स्वच्छता प्रहरियों ने बिना किसी संकोच या डर के दलदल में घुसकर के धमेला, रापा से कीचड़ को निकाल करके बाहर फेंका। निगम प्रशासन एवं आसपास के नागरिकों को भी इस कार्य से जोड़ते हुए जेसीबी बुलाने एवं उस दलदल कीचड़ को बाहर निकालने की अपील की गई। तालाब स्वच्छ होगा तो इसका इस्तेमाल निस्तार के लिए किया जा सकेगा। जानवरों भी यहां के पानी का पीने के लिए उपयोग कर सकेंगे।

स्वच्छता प्रहरी टीम में अध्यक्ष प्रेमचंद साहू, संयोजक हर्ष देव साहू कोषाध्यक्ष राजू ऊके शैलेन्द्र साहू, गुलाब साहू दिनेश हिरवानी, भूपेंद्र साहू, मनहरण ठाकुर, बृजेश साहू, रोशन देशमुख, इंद्रजीत पात्रा, गुणवंत साहू, संजय यादव, राजेश्वरी पसीने, अनुपमा गोस्वामी, पुष्पलता देशमुख, ऋतु ताम्रकार, नन्हें सिपाही -अस्वर्या साहू, जानवी देशमुख, मुस्कान साहू, आराध्य जयंस, सनत साहू, ज्ञानिक साहू, देवेश साहू, राकेश टांडिया, परस वार्ड वासी राजेद्र रजक, दसरथ साहू, पुन्नी गुप्ता, जग्गू यादव, शामिल रहे।

## डॉ नविल शर्मा ने हाईटेक के मेडिकल डायरेक्टर का कार्यभार ग्रहण किया

**भिलाई ( कीपीएस )।** जनरल एंड लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ नविल शर्मा ने आज हाईटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान मेडिकल डायरेक्टर डॉ रंजन सेनगुप्ता की जगह ली है। अस्पताल के प्रबंध संचालक मनोज अग्रवाल ने कहा कि नई पीढ़ी के आगे आने से नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ नचिकेत एस दीक्षित, न्यूरोसर्जन डॉ दीपक बंसल, ईएनटी सर्जन डॉ अपूर्व वर्मा, गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ आशीष देवांगन, ऑर्थोपेडीशियन डॉ राहुल ठाकुर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अंजना चौधरी, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ देवेन्द्र साहू, मेडिसिन एवं डायलिसिस विशेषज्ञ डॉ सुमन राव, पैथोलॉजिस्ट डॉ रजनी प्रजापति, नर्सिंग अधीक्षक रजनी भास्करन सजी, इंटेंसिविस्ट डॉ नीलिमा बम्बोडे, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ नरेश देशमुख, एचआर शुभम शुक्ला, आदि उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

## खास-खबर

### रेहड़ी-पटरी कारोबारियों की उम्मीदों को मिलेगी नई रोशनी

**रायपुर।** नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा मेहनतकश स्ट्रीट वेंडर्स के जीवन में बदलाव लाने 1 जून से 30 जून तक प्रदेशभर में स्वनिधि महोत्सव और लोक कल्याण मेला आयोजित किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव की पहल पर प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के तहत यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य केवल ऋण उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि सड़क किनारे रोजी-रोटी कमाने वाले परिवारों को सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जोड़ना है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव शंगीता आर. ने बताया कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में लोक कल्याण मेले लगाए जाएंगे, जबकि जिला मुख्यालयों में विशेष रूप से स्वनिधि महोत्सव आयोजित होगा। इन आयोजनों में बैंक प्रतिनिधि मौके पर उपस्थित रहेंगे, ताकि छोटे व्यापारियों को ऋण स्वीकृति, वितरण, यूपीआई पंजीयन, क्यू-आर कोड सुविधा और डिजिटल भुगतान से संबंधित सेवाएं तत्काल मिल सकें। स्वनिधि महोत्सव और लोक कल्याण मेला छोटे व्यापारियों को आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक सम्मान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

### नवा तरिया से संवर रहा मेण्ड्रा का भविष्य, जल संरक्षण के साथ मिल रहा रोजगार

**रायपुर।** प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रारंभ किए गए 'मोर गांव मोर पानी' महाभियान के तहत कोरिया जिले में जल संरक्षण और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वनांचल क्षेत्र के जनपद पंचायत सोनहत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेण्ड्रा में मनरेगा के तहत नवा तरिया निर्माण कार्य तेजी से जारी है। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के निर्देशन में संचालित इस कार्य को आगामी 15 जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों के नेतृत्व में गांव के पंजीकृत श्रमिक पूरी सक्रियता के साथ निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं।

### बिटिया अच्छे से पढ़ना, आगे बढ़ना : कलेक्टर

**कोरबा।** बचपन से दोनों पैरों से दिव्यांग होने के बावजूद कमला कुमारी केंवट ने कभी अपनी पढ़ाई को बाधित नहीं होने दिया। चुनौतियों से भरे जीवन में उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और शिक्षा के प्रति समर्पण के बल पर घर से कॉलेज तक का कठिन सफर तय करते हुए उच्च शिक्षा की राह चुनी। हालांकि, कॉलेज तक पहुंचना उनके लिए हर दिन एक बड़ी चुनौती था, क्योंकि वे अन्य छात्राओं की तरह पैदल या साइकिल से आवागमन नहीं कर सकती थीं। कटघोरा विकासखंड के ग्राम सलोरा (क) निवासी कमला को पूर्व में समाज कल्याण विभाग द्वारा ट्राइसाइकिल प्रदान की गई थी, लेकिन वह काफी पुरानी और खराब हो चुकी थी। इसी बीच जब उन्हें सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर की जानकारी मिली, तो उन्होंने ग्राम धनरास में आयोजित शिविर में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन से कमला ने अपनी समस्या साझा की।

### कोंडागांव के विकास का नया स्वर्णिम अध्याय

# मुख्यमंत्री ने दी 152 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

### बस्तर के सुदूर अंचलों तक पहुंचेगी विकास की रोशनी, 43 निर्माण एवं अधोसंरचना कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोंडागांव जिले के ग्राम बड़े कनेरा में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया, हितग्राहियों से संवाद किया तथा शासन की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 44-45 डिग्री की भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में दूर-दूर से पहुंचे ग्रामीणों का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि जनता का सरकार पर विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह जनसहभागिता सुशासन की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा करना नहीं, बल्कि जनता के बीच पहुंचकर यह जानना है कि योजनाओं का लाभ वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं। रायपुर में बैठकर जमीनी हकीकत का आकलन नहीं किया जा सकता, इसलिए सरकार गांव-गांव जाकर लोगों से सीधे संवाद कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि 1 मई से प्रारंभ हुआ सुशासन तिहार 10 जून तक चलेगा और इस दौरान प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बड़े कनेरा का यह शिविर प्रदेश का 19वां जिला स्तरीय समाधान शिविर है, जहां लोगों का उत्साह और सहभागिता उल्लेखनीय रही।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल बस्तर संभाग में बुनियादी सुविधाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोंडागांव जिले के विकास का एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख दिया है। सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री ने जिले को 152 करोड़ 18 लाख 84 हजार रुपये की लागत वाले 43 महत्वपूर्ण निर्माण एवं विकास कार्यों की सौगात दी।

इन कार्यों में जनता को त्वरित लाभ पहुंचाने वाले 96 करोड़ 30 लाख 63 हजार रुपये की लागत के 14 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 55 करोड़ 88 लाख 21 हजार रुपये की लागत के 29 नए विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। समाधान शिविर में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इन घोषणाओं से सड़क, पर्यटन, सामाजिक अधोसंरचना और धार्मिक स्थलों के विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने नारंगी नदी स्थित स्टॉप डेम सह पुलिया के जीर्णोद्धार के लिए 2 करोड़ रुपये की स्वीकृति की घोषणा की। इसके साथ ही केशकालङ्कबांसकोटङ्कमाकड़ीङ्कएरला मार्ग के 53 किलोमीटर लंबे मार्ग के मजबूतीकरण कार्य को मंजूरी दी गई।

उन्होंने बड़े कनेरा से बड़ेबेंद्री, बाईकापदर और चिपावंड तक पुल-पुलियों सहित 12 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा बड़े कनेरा से नवागुड़ा तक पुल-पुलियों सहित 5 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य की घोषणा की। स्थानीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए बड़े कनेरा में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भवन का निर्माण कराया जाएगा। वहीं कोसारटेडा में पर्यटन विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को नई पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने विश्रामपुरी में गोंडवाना भवन तथा केशकाल में सर्व आदिवासी समाज भवन निर्माण की घोषणा भी की। इसके अलावा बड़े कनेरा स्थित प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े कनेरा एक जागरूक गांव के रूप में उभरकर सामने आया है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही श्री चमन लाल और पीएम सूर्य घर योजना के लाभार्थी श्री आनंद कुमार पवार से मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के लोग योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिस घर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बना है, उसी घर में पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल भी स्थापित किया गया है। इससे बिजली बिल शून्य हो गया है और परिवार ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में हमने मोदी की गारंटी के नाम से जो वादे किए थे, उनमें से अधिकांश को मात्र ढाई वर्षों के भीतर पूरा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित रहे 18 लाख गरीब परिवारों के लिए सरकार ने सत्ता संभालते ही आवास स्वीकृत किए। आज छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण हो रहा है और इस मामले में राज्य देश में अग्रणी स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदा जा रहा है तथा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है। साथ ही दो वर्षों का लंबित बोनस भी किसानों को प्रदान किया गया है।

## शासकीय योजनाओं का लाभ हर पात्र परिवार तक पहुंचे, प्रशासन संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करे कार्य : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** शासन-प्रशासन की वास्तविक सफलता तभी है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और आम नागरिक को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों के कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था, राजस्व मामलों, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आधारभूत अधोसंरचना और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस्तर संभाग के दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों सहित प्रत्येक गांव और प्रत्येक पात्र परिवार तक शासकीय योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनके माध्यम से लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाना है। मुख्यमंत्री साय ने बस्तर मुन्ने




अभियान तथा मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित और प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शिविर आधारित सेवाओं के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का अधिकतम निराकरण किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर दो से तीन दिन तक लगातार शिविर आयोजित कर समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और भरोसेमंद सेवाओं का वास्तविक अनुभव होना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजस्व विभाग के कार्यों को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और अभिलेख सुधार जैसे प्रकरण सीधे नागरिकों के अधिकारों और जीवन से जुड़े होते हैं, इसलिए इनमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने समय-सीमा से बाहर तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में स्वामित्व योजना, वन अधिकार पट्टा वितरण, पुनर्वासित परिवारों को शासकीय योजनाओं का लाभ, तथा अन्य राज्यों में रह रहे बस्तर मूल के परिवारों के पुनर्स्थापन पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने महिला स्व-सहायता समूहों को वनोपज आधारित गतिविधियों के साथ झींगा पालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन जैसे कृषि आधारित उद्यमों से जोड़ने पर विशेष बल दिया। उन्होंने शबरी नदी क्षेत्र के तालाबों को विकसित कर झींगा पालन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए तथा महिला समूहों के उत्पादों को बस्तर ब्रांड के रूप में विकसित कर बाजार से जोड़ने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला समूह केवल आर्थिक इकाइयां नहीं, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता और सामाजिक परिवर्तन की सशक्त धुरी बन सकती हैं। बैठक में सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर में वॉटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स, जंगल सफारी जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देकर पर्यटन विकास की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने पर्यटन स्थलों को स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने आदिवासी समुदाय को धान प्रसंस्करण एवं मिलिंग गतिविधियों से जोड़कर स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के निर्देश दिए।

खरीफसीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएपी उर्वरक की सीमित उपलब्धता को देखते हुए एसएसपी, यूरिया, नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के प्रति किसानों को जागरूक करने पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन को एक मजबूत, प्रभावी और भरोसेमंद मंच के रूप में विकसित कर रही है, जिससे आम नागरिक आसानी से शिकायत दर्ज करा सकेंगे। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की उच्च स्तर पर निगरानी होगी, जिससे अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

### कोड़ातराई को मिली विकास कार्यों की बड़ी सौगात वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया शिलान्यास

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** एक ही राजनीति, विकास की राजनीति के संकल्प के साथ वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ जिले के ग्राम पंचायत कोड़ातराई में विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने 19 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से बनने वाले कोड़ातराई-पुसौर-सूरजगढ़ मार्ग के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके साथ ही महतारी सदन निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा यात्री प्रतीक्षालय एवं सीसी रोड निर्माण कार्य का लोकार्पण भी किया।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि विकास ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रदेश के गांवों को बेहतर अधोसंरचना से जोड़ने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोड़ातराई-पुसौर-सूरजगढ़ मार्ग के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। उन्होंने कहा कि महतारी सदन महिलाओं की सामाजिक और



सामुदायिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होगा, जबकि यात्री प्रतीक्षालय और सीसी रोड जैसी सुविधाएं आमजन के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाएंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के हित में लगातार कार्य कर रही है। हमारी राजनीति केवल विकास और जनसेवा की राजनीति है, जिसका उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं और योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, पंचायत पदाधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## साहू समाज की पहल: तेलीबांधा तालाब में माता तेलीन दाई की मूर्ति लगाने की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** नगर निगम कार्यालय में रायपुर शहर जिला साहू संघ के पदाधिकारियों ने तेलीबांधा तालाब में माता तेलीन दाई की मूर्ति स्थापना के संबंध में अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान साहू समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी मांग रखते हुए कहा कि रायपुर का ऐतिहासिक तेलीबांधा तालाब साहू (तेली) समाज की प्राचीन धरोहर और सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह स्थान न केवल शहरवासियों और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, बल्कि समाज के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। साहू समाज ने आग्रह किया कि तेलीबांधा तालाब की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए यहां माता तेलीन दाई की मूर्ति स्थापित की जाए।

इस संबंध में प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त



किया कि उनकी मांग पर सकारात्मक विचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि तेलीन माता साहू समाज के गौरव, आस्था और सांस्कृतिक विरासत की प्रतीक हैं। उनकी मूर्ति स्थापना के लिए समाज लगातार प्रयासरत है और आगे भी इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करता रहेगा।

## कच्चे घर की चिंता से मिली मुक्ति, अब चैन की नींद सोएगा चमन का परिवार

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** कभी बारिश की बूंदों के साथ टपकती छत, आंधी-तूफान की चिंता और कच्चे घर की असुरक्षा में गुजरती रातेंज् लेकिन अब वही परिवार पक्के घर की सुरक्षित छत के नीचे सुकून और सम्मान के साथ नई जिंदगी की शुरुआत कर रहा है। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राही चमन लाल पवार के नवनिर्मित आवास में सपरिवार गृह प्रवेश कराकर एक परिवार के वर्षों पुराने सपने को साकार किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने परिवार से



आत्मीय संवाद करते हुए उनके जीवन में आए बदलाव की जानकारी ली और कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति के जीवन में वास्तविक परिवर्तन सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर एक विशेष उपलब्धि भी सामने आई। चमन लाल का आवास बस्तर संभाग का पहला ऐसा प्रधानमंत्री आवास बन गया है, जहां प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम भी स्थापित किया गया है।

यह पहल ग्रामीण विकास, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरी है। एक ही परिवार को आवास सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा सुविधा का लाभ मिलना शासन की समन्वित विकास सोच को भी प्रतिबिंबित करता है।

चमन लाल पवार ने बताया कि वर्षों तक उनका परिवार कच्चे मकान में रहने को विवश था। बरसात के दिनों में छत टपकती थी और तेज हवा या खराब मौसम में पूरी रात चिंता में बीतती थी। बच्चों और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार डर बना रहता था। उन्होंने कहा कि अब पक्का मकान मिलने के बाद जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का एहसास हुआ है।

श्री पवार ने कहा कि अब बारिश और आंधी-तूफान की चिंता नहीं रहती। छत नहीं टपकेगी और पूरा परिवार चैन की नींद सो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह मकान केवल एक घर नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा, आत्मविश्वास और नए जीवन की शुरुआत है। चमन लाल का परिवार शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है।

## तेंदूपत्ते से समृद्धि, तीखुर से आत्मनिर्भरता: बड़ेकनेरा में वनाधारित आजीविका का सशक्त मॉडल बना प्रेरणा

### मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हितग्राहियों से की आत्मीय मुलाकात, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा में वन विभाग की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से आत्मीय संवाद कर वनाधारित आजीविका से आए सकारात्मक बदलावों को नजदीक से जाना। मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहकों, महिला स्व-सहायता समूहों, विद्यार्थियों और किसानों से मिलकर उनकी जीवन यात्रा, संघर्ष और योजनाओं से हुए परिवर्तन की कहानियों को सुना। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं चलाना नहीं, बल्कि गांवों में सम्मानजनक आजीविका, शिक्षा, आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार तैयार करना है।

मुख्यमंत्री श्री साय सबसे पहले तेंदूपत्ता संग्राहक श्रीमती वेदबती यादव के घर पहुंचे, जहां उन्होंने परिवारजनों से आत्मीय चर्चा की। श्रीमती यादव ने बताया कि



उन्होंने इस वर्ष 3720 गड्डी तेंदूपत्ता संग्रहित कर 20 हजार 460 रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण अब उनके परिवार के लिए आय का भरोसेमंद माध्यम बन गया है। मुख्यमंत्री ने उनके परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि वन संपदा पर आधारित आजीविका ग्रामीण परिवारों की आर्थिक मजबूती का सशक्त माध्यम बन रही है।

मुख्यमंत्री ने वन धन विकास केंद्र मर्दापाल से जुड़ी मां शीतला स्व-सहायता समूह की सदस्य विमला भोयर से भी चर्चा की। श्रीमती भोयर ने बताया कि उन्होंने इस सीजन में एक माह के भीतर 85 किलोग्राम तीखुर का प्रसंस्करण कर लगभग 85 हजार रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने बताया कि पहले वन उत्पाद सीमित उपयोग तक रह जाते थे, लेकिन प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन से अब आय के नए अवसर बने हैं। मुख्यमंत्री ने इसे महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्थानीय संसाधनों पर आधारित ग्रामीण उद्यमिता का प्रेरक उदाहरण बताया। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री का जामुन, आम और तीखुर से बने पारंपरिक शरबत से स्वागत किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार की बेटी राजबती मंडावी से भी संवाद किया। राजबती को कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर तेंदूपत्ता हितग्राही छात्रवृत्ति योजना के तहत 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिली है। मुख्यमंत्री ने उसकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि वन आधारित योजनाएं केवल आजीविका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का भी माध्यम बन रही हैं। उन्होंने राजबती को आगे की पढ़ाई के लिए शुभकामनाएं देते हुए मेहनत और शिक्षा को सफलता का आधार बताया।

मुख्यमंत्री साय ने ग्राम के किसान गौतम यादव द्वारा मक्के की खेती के साथ तालाब में किए जा रहे मत्स्य पालन का भी अवलोकन किया। श्री यादव ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि उन्नति योजना सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है, जिससे खेती और मत्स्य पालन को एकीकृत कर आय में निरंतर वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती, वानिकी और मत्स्य पालन का समन्वित मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

बड़ेकनेरा प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण नहीं बचाते, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को जीवन, सुरक्षा और समृद्धि भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। मर्दापाल परिक्षेत्र में किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत दो किसानों को 5,500 नीलगिरी पौधे वितरित किए गए।

तेंदूपत्ता हितग्राही छात्रवृत्ति योजना के तहत विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपये की छात्रवृत्ति तथा राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को कुल 6 लाख 30 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई।

# पहले देवी की तरह मानते हैं, बच्चा होने के बाद महिलाओं से की जाती हैं ये उम्मीदें

## कियारा ने सुनाया कड़वा अनुभव

**कियारा आडवाणी ने मां बनने के बाद का अनुभव बताया है। उन्होंने बताया है कि प्रेग्नेंट महिलाओं से अच्छा व्यवहार होता है, जबकि मां बनने के बाद उनके प्रति लोगों का रवैया बदल जाता है।**

अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में वह मां बनी हैं। इस बीच उन्होंने मां बनने के बाद महिलाओं को अक्सर जिन उम्मीदों का सामना करना पड़ता है, उनके बारे में बात की है। उन्होंने इस बात पर गौर किया कि कैसे महिलाओं की प्रेग्नेंसी का जश्न मनाने से हटकर लोगों का ध्यान दूसरी चीजों पर चला जाता है।

### कियारा ने बताया मां बनने के बाद का अनुभव

मां बनने से अपनी जिंदगी में आए बदलावों के बारे में बात करते हुए, कियारा ने बॉम्बे टाइम्स से कहा 'यह अनुभव हर तरह से बहुत ही अच्छा है। मुझे लगता है कि जो डायरेक्टर अब मेरे साथ काम करेंगे, उन्हें मेरा सबसे बेहतरीन रूप देखने को मिलेगा। मां बनने के इस सफर ने मेरे अंदर दुनिया के प्रति मेरी समझ में एक नया पहलू खोल दिया है।'

### मां बनने के बाद बातें बदल जाती हैं

उन्होंने बताया 'सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब आप प्रेग्नेंट होती हैं, तो हर कोई कहता है, 'अरे वाह, आप कितनी ग्लो कर रही हैं, आप कितनी खूबसूरत लग रही हैं।', मगर जैसे ही आप बच्चे को जन्म देती हैं, तो बातें बदल जाती हैं। लोग कहते हैं 'अब तो मोटी लग रही है, थोड़ी ऐसी लग रही है, थोड़ी वैसी लग रही है।''

### मां से की जाती हैं उम्मीदें

अभिनेत्री ने कहा 'जब आप प्रेग्नेंट होती हैं, तो लोग आपको देवी की तरह पूजते हैं, लेकिन जैसे ही आप बच्चे को जन्म देती हैं, वे उम्मीद करने लगते हैं कि आप तुरंत ही अपनी पुरानी फिटनेस और काम पर वापस लौट आएंगी। महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल समय बच्चे के जन्म के बाद का ही होता है। यही वह समय होता है, जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत होती है।'

### पूरे गांव की जरूरत पड़ती है

कियारा ने कहा 'कहा जाता है कि एक बच्चे की परवरिश के लिए पूरे गांव की जरूरत पड़ती है। इसी तरह एक मां को संभालने के लिए भी पूरे गांव की जरूरत पड़ती है।'

### कियारा की शादी

आपको बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ की शादी 2023 में हुई थी। 15 जुलाई, 2025 को उनकी बेटी साराया का जन्म हुआ था। कियारा की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' चार जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## भूमि पेडनेकर को इमरान खान पर रहा जबरदस्त क्रश, बोलीं- 'उनके साथ काम करना सपना सच होने जैसा'

सलमान खान के भांजे व अभिनेता इमरान खान अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म से इमरान बतौर लीड एक्टर एक लंबे अरसे बाद वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर फैंस तो उत्साहित हैं ही, लेकिन फैंस से भी ज्यादा उत्साहित खुद भूमि पेडनेकर हैं।

यही नहीं भूमि ने इमरान खान को लेकर भी बात की और बताया कि उन्हें इमरान पर जबरदस्त क्रश था। भूमि पेडनेकर ने इमरान खान पर अपने क्रश के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मुझे उन पर बहुत बड़ा क्रश था। उनकी सभी रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में वो सबसे बेहतरीन लगते थे। आजकल ऐसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्में बनती ही नहीं हैं। भूमि के लिए इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। अभिनेत्री अक्सर इमरान के काम की फैन होने की बात कहती रही हैं।

### 15 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे इमरान

इमरान खान ने साल 2008 में आई फिल्म 'जाने तू या जाने ना' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो कई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में नजर आए। इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में फिल्म 'कट्टी बट्टी' में लीड एक्टर के तौर पर नजर आए थे। अब दस साल से भी अधिक समय के बाद वो बतौर लीड एक्टर 'अधूरे हम अधूरे तुम' से वापसी कर रहे हैं। हालांकि, इमरान इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में एक छोटे से रोल में नजर आए थे। फैंस इमरान को इस फिल्म में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

## कंगना की फिल्म भारत भाग्य विधाता का दमदार मोशन पोस्टर रिलीज

अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर चर्चा में है। इस मोशन पोस्टर का टाइटल द अनसीन हीरोज रखा गया है। पोस्टर में देश के उन हीरोज को एक ट्रिब्यूट है, जो हमेशा हमारे आसपास रहते हैं। यह उन नर्सों, वार्ड बॉय, क्लीनर्स, लिफ्ट ऑपरेटर्स, सिक्योरिटी स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेटर्स को सम्मान देता है, जिन्होंने 2008 के मुंबई टेरर अटैक्स के दौरान हिम्मत दिखाई थी। फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभा रही हैं। कहानी का बड़ा हिस्सा अस्पताल से जुड़ा दिखाया गया है, जहां डर और अफरा-तफरी होने के बावजूद अंदर मौजूद लोग हिम्मत और समझदारी से हालात संभालते हैं। फिल्म यह बताने की कोशिश करती है कि संकट के समय इंसानियत सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। कंगना रनौत ने फिल्म को लेकर कहा, भारत भाग्य विधाता उन अनदेखे लोगों को समर्पित है, जो संकट के समय इंसानियत की ढाल बनकर सामने आते हैं। जब कोई बड़ा हादसा या आपदा आती है, तो लोग सबसे पहले पुलिस, सेना या सरकार की तरफ उम्मीद से देखते हैं। लेकिन इस फिल्म में उन लोगों की कहानी दिखाई गई है, जो बिना किसी पहचान या सम्मान की उम्मीद के दूसरों के लिए खड़े हो जाते हैं।

कंगना ने आगे कहा, इस फिल्म में दिखाए गए लोग वे हैं जिनकी वर्दी पर कभी ध्यान नहीं जाता। खून से सने एप्रन पहनने वाले अस्पताल कर्मचारी, साधारण कपड़ों में काम करने वाले लोग और मरीजों की सेवा में लगे कर्मचारी ही असली बहादुर होते हैं। असली साहस किसी मेडल या इनाम का इंतजार नहीं करता। यह अपने आप सामने आ जाता है, जब इंसान दूसरों की जान बचाने के लिए खुद को खतरे में डाल देता है। फिल्म के प्रेजेंटर और निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा ने भी फिल्म के संदेश पर बात की। उन्होंने कहा, भारत जैसे देश में एक-दूसरे के प्रति अपनापन और संवेदनशीलता को जोड़कर रखा जाता है। जब संकट आता है, तो एक भारतीय खुद-ब-खुद दूसरे भारतीय की मदद के लिए आगे बढ़ता है। यही भावना फिल्म की आत्मा है। भारत भाग्य विधाता उन सच्चाइयों को याद दिलाने की कोशिश है, जिन्हें समय के साथ लोग भूल जाते हैं। फिल्म में कंगना रनौत के अलावा गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता थट्टे, रसिका आघासे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## 'ऊंचा लंबा..' के रीमेक में अक्षय के साथ नजर आई दिशा पटानी

# एक्टर के साथ यूजर्स भी बोले- 'वी मिस यू कटरीना'

**अक्षय कुमार की अगली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का नया गाना रिलीज हो गया है। इस गाने में खिलाड़ी कुमार और दिशा पाटनी थिरकते नजर आ रहे हैं।**

अक्षय कुमार और दिशा पाटनी अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में साथ नजर आएंगे। सोमवार को मेकर्स ने इस फिल्म से नया गाना 'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' रिलीज किया। यह गाना 2007 में रिलीज हुई अक्षय की ही फिल्म 'वेलकम' का रीमेक है। उस फिल्म में इस गाने को अक्षय-कटरीना पर फिल्माया गया था।

### गाने के अंत में अक्षय को याद आईं कटरीना

गाने में जहां अक्षय अपने पुराने अंदाज में नजर आए, वहीं उनके साथ थिरकते दिशा पाटनी बेहद हॉट दिखीं। इस गाने में अंत में अक्षय, कटरीना को याद करते हुए कहते हैं- 'वी मिस यू कटरीना'। वहीं कई यूजर्स ने भी यही बात कहते हुए गाने को ट्रोल किया है। जहां कुछ को ये गाना पसंद आया। वहीं कई ऐसे हैं जिन्होंने इसे ओरिजिनल गाने की बर्बादी बताया।

### आदिल शेख ने किया कोरियोग्राफ

इस ओरिजिनल को जहां आनंद राज आनंद ने कंपोज किया था वहीं इसे रीक्रिएट किया है विक्रम ने। इसमें आनंद राज आनंद की ओरिजनल आवाज के साथ रुबाई ने भी आवाज दी है। गाने का वीडियो आदिल शेख ने कोरियोग्राफ किया है।

### इस दिन रिलीज होगी फिल्म

बात करें फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की तो इसमें अक्षय और दिशा के साथ सुनील शेट्टी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन और राजपाल यादव के अलावा कुछ 30 मुख्य कलाकार साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन अहमद खान ने किया है।

## कबाड़ की दुकान से 200 पुराने टायर मंगवाकर किया था शाहरुख खान का फोटोशूट : डब्बू रत्नानी

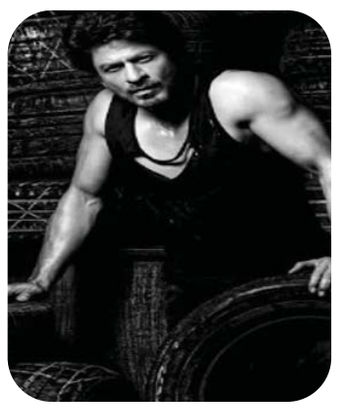

मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी अपने सेलिब्रिटीज के बेहतरीन फोटोशूट के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अभिनेत्री पूजा भट्ट के पॉडकास्ट में अभिनेता शाहरुख खान के साथ काम करने के पुराने अनुभवों को याद करते हुए फोटोशूट के बिहाइंड-द-सीन्स के किस्से शेयर किए। शनिवार को अभिनेत्री पूजा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर ऑडियो पॉडकास्ट क्लिप पोस्ट किया। इस पर डब्बू रत्नानी ने बताया कि शाहरुख के साथ उनके ज्यादातर शूट मन्नत में हुए हैं। उन्होंने याद किया कि कैसे शाहरुख खान के बेफिक्र और स्वाभाविक पल उनकी सबसे यादगार तस्वीरों में बदल जाते थे। वह कुत्ते के साथ खेल रहे थे और मैंने उसी वक्त उनकी नेचुरल तस्वीरें खींची थी। फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी ने एक और वाक्य याद करते हुए बताया कि उन्होंने कबाड़ की दुकान से आइडिया लेकर शाहरुख का फोटोशूट किया था। उन्होंने कहा, एक बार मैं अपनी गाड़ी के टायर बदलवाने एक दुकान पर गया था। वहां एक आदमी पुराने टायरों को उठाकर टेम्पो में डाल रहा था। मुझे वह कबाड़ जैसा दिखने वाला बैकग्राउंड बहुत पसंद आया। मैंने तुरंत उस दुकान वाले से बात की और करीब 200 पुराने-फटे टायर महबूब स्टूडियो मंगवा लिए और उन्हीं टायरों की मदद से सेट तैयार किया गया और फिर शाहरुख खान का वह यादगार शॉट लिया गया।

पूजा भट्ट ने डब्बू रत्नानी से सवाल करते हुए कहा, आपने सच में शाहरुख को बहुत स्मार्ट दिखाया है। साथ रहते हुए उनमें कुछ ऐसा बदलाव आता है जो वे किसी और के साथ नहीं दिखाते।

इस पर डब्बू ने शाहरुख खान के साथ को याद करते हुए बताया कि कैसे वे बेफिक्र और स्वाभाविक पल उनकी सबसे यादगार तस्वीरों में बदल जाते थे। उन्होंने कहा, एक बार शाहरुख ओशिवारा में मेरे स्टूडियो आए थे। वहां वह मेरे पालतू कुत्ते फ्लैश के साथ खेलने में व्यस्त हो गए। मैंने उनसे कैमरे के सामने कोई बनावटी पोज नहीं बल्कि उस पल का आनंद लेने दिया।

# परफेक्ट फिगर पाने के लिए तापसी पन्नू ने की हद से ज्यादा कसरत, अब लड़कियों से की यह खास गुजारिश

तापसी पन्नू अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी बॉडी इमेज से जुड़ी मुश्किलों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने स्लिम-फिट दिखने के लिए बहुत मेहनत की। इस कोशिश में उन्होंने अपने आपको परेशान किया। उन्होंने अपनी जिंदगी के उस दौर को याद किया जब उन्हें एक खास तरह का दिखने का बहुत ज्यादा दबाव महसूस होता था।

### तापसी ने अपने आपको थकाया

तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया 'मुझे याद है कि मुझे सपाट पेट पाने का जुनून था, क्योंकि बड़े होते समय मैं बहुत ज्यादा फिट थी, लेकिन मुझे कभी समझ नहीं आया कि पेट के निचले हिस्से की चर्बी हमेशा क्यों बनी रहती थी। इसे कम करने के लिए मैंने इतनी ज्यादा कसरत की कि मैंने खुद को हद से ज्यादा थका दिया। यह बात बिल्कुल सही है कि जब आप खुद को हद से ज्यादा थकाते हैं, तो आपके दिमाग में एक खतरे की घंटी बजती है कि आपके शरीर को सुरक्षा की जरूरत है।'

### ज्यादा कसरत करने से क्या होता है?

तापसी ने आगे बताया कि शरीर पानी को बाहर निकालने के बजाय उसे जमा करना शुरू कर देता है। फिर पेट के निचले हिस्से की वह चर्बी, जो असल में सिर्फ चर्बी नहीं होती, बल्कि पानी का जमाव भी होता है, वहीं बना रहता है। ज्यादा कसरत करने से यह और बढ़ जाता है। तापसी का मानना है कि लोगों को ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

### हर महिला का शरीर अलग होता है

तापसी ने आगे समझाया कि हर महिला का शरीर अलग होता है और हमें इस बात को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने बताया कि खुद को बहुत ज्यादा परेशान करने के बाद उन्हें यह बात बहुत देर से समझ आई। तब उन्हें एहसास हुआ कि कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब पेट थोड़ा फूला हुआ दिखता है और कुछ दिन ऐसा नहीं होता।

### न्यूट्रिशनिस्ट ने दी सलाह

उन्होंने कहा 'मेरी न्यूट्रिशनिस्ट ने मुझे समझाया कि पेट के निचले हिस्से में थोड़ी सी चर्बी और थोड़ा सा पानी जमा होना असल में जरूरी होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वहीं आपके प्रजनन अंग होते हैं, जिन्हें सुरक्षा की जरूरत होती है। एक महिला होने के नाते, आपको उस सुरक्षा की जरूरत होती है।' उन्होंने आखिर में कहा, 'यह आपके लिए सेहतमंद है। इसलिए, सिर्फ इंस्टाग्राम पर परफेक्ट दिखने वाली तस्वीरें डालने के लिए, प्लीज खुद को परेशान मत कीजिए। पेट के निचले हिस्से में थोड़ा सा उभार और थोड़ी सी चर्बी होना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।'

### तापसी पन्नू का वर्कफ्रंट

तापसी पन्नू को आखिरी बार फिल्म 'अस्सी' में देखा गया था। इस फिल्म के निर्देशक अनुभव सिन्हा हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी।

## खास खबर

### उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में मिला दुर्लभ हिमालयी कछुआ

**रायपुर।** उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व से वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। वन विभाग ने यहां दुर्लभ और लुप्तप्राय हिमालयी त्रिकारिनेट पहाड़ी कछुए (हिमालयन ट्राइकारिनेट हिल टर्टल) की उपस्थिति दर्ज की है। सामान्यत: हिमालयी और उप-हिमालयी क्षेत्रों में पाए जाने वाले इस कछुए का मध्य भारत के जंगलों में मिलना वैज्ञानिकों और वन्यजीव विशेषज्ञों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यह खोज उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का प्रमाण है। यह प्रजाति मुख्य रूप से पूर्वोत्तर भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के आर्द्र वनों में निवास करती है। ऐसे में छत्तीसगढ़ में इसकी मौजूदगी दर्ज होना वन्यजीव अनुसंधान के लिए नई संभावनाएं खोलता है। वन विभाग का मानना है कि इस दुर्लभ प्रजाति की उपस्थिति क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों की सफलता को भी दर्शाती है। अब विशेषज्ञ इसके आवास, व्यवहार और संरक्षण की दिशा में विस्तृत अध्ययन की तैयारी कर रहे हैं।

### विश्व तम्बाकू दिवस पर जागरूकता रथ रवाना, तम्बाकू मुक्त जीवन का दिया संदेश

**अम्बिकापुर।** विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिले में तम्बाकू एवं धूम्रपान के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अजीत वसंत ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्काउट-गाइड, एनएसएस, एनसीसी एवं रेडक्रास सोसाइटी के छात्र-छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली निकालकर आमजन को तम्बाकू मुक्त जीवन का संदेश दिया गया। कलेक्टर वसंत ने कहा कि तम्बाकू, गुटखा, सिगरेट एवं अन्य नशीले पदार्थ आज समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहा है, जिससे स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि तम्बाकू केवल शरीर को बीमार नहीं करता, बल्कि व्यक्ति की मेहनत की कमाई को भी नशे और बीमारियों के इलाज पर खर्च कराकर आर्थिक स्थिति को कमजोर करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं तम्बाकू एवं धूम्रपान से दूर रहें तथा अपने परिवार और समाज को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें।

### नागरिकों की शिकायतों का निराकरण अब 'सीएम हेल्पलाइन' से

**कांकेर।** शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित आमजन से प्राप्त शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ''सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली'' व्यवस्था विकसित की गई है, जिसमें आमजनता की शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में पूर्ण पारदर्शिता के साथ होगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन, शिकायतों के समयबद्ध निराकरण तथा मैदानी स्तर पर सुचारू संचालन सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से आज सुबह 10.30 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर तथा एसपी निखिल राखेचा की उपस्थिति में जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया। इसमें ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। कलेक्टर क्षीरसागर ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से जनसामान्य की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

# महिला सशक्तिकरण और मातृ-शिशु कल्याण योजनाओं से बदल रही जिंदगी: मुख्यमंत्री

**बड़ेकनेरा में लाभार्थियों से रूबरू हुए मुख्यमंत्री, महिलाओं, बच्चों और स्व-सहायता समूहों को विभिन्न योजनाओं के तहत मिला लाभ**

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने महिलाओं, बच्चों, किशोरियों और स्व-सहायता समूहों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभ प्रदान करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण, सुरक्षित मातृत्व, पोषण और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि जब किसी योजना का लाभ सीधे व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाता है, तभी सुशासन का उद्देश्य सार्थक होता है।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राही मनिता मरकाम और खेमलता कोर्राम को लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को समय पर पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह योजना माताओं और नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित मातृत्व की मजबूत आधारशिला बन रही है।

महतारी वंदन योजना से लाभान्वित श्रीमती संतोषी भोयर, जो घर पर पार्लर संचालन करती हैं, तथा संपत्ति मानिकपुरी, जो सब्जी व्यवसाय से जुड़ी हैं, ने मुख्यमंत्री को बताया कि योजना से प्राप्त राशि घरेलू जरूरतों को पूरा करने और छोटे व्यवसाय को सहारा देने में सहायक सिद्ध हो रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे परिवार की आर्थिक व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती परिवार और समाज दोनों को सशक्त बनाती है।

कार्यक्रम में अंजू कोर्राम एवं पद्मनी नेताम के बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर माताओं को शिशुओं के समुचित पोषण, टीकाकरण और स्वास्थ्य देखभाल संबंधी जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के जीवन के प्रारंभिक वर्षों में पोषण पर विशेष ध्यान देना उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गोद भराई कार्यक्रम के अंतर्गत मनीता मरकाम और गुड़िया मरकाम को सम्मानित किया गया। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, सुरक्षित प्रसव और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ मां ही स्वस्थ समाज की आधारशिला होती है और गर्भवती महिलाओं की देखभाल सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में काव्यांश और रौशनी को सुपोषण किट प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ का निर्माण राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सुपोषण किट के माध्यम से बच्चों और माताओं को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। कार्यक्रम में मनई यादव को सक्षम योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना महिलाओं को कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का माध्यम बन रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ महिला कोष के अंतर्गत बड़ेकनेरा की एकता स्व-सहायता समूह को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत इकाई हैं और इनके माध्यम से महिलाओं में उद्यमिता, बचत और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा मिल रहा है।

कार्यक्रम में प्रिया नेताम, महिमा, नंदनी पटेल, पुष्पा नायक एवं हीना को हाइजीन किट प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि किशोरियों में स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ किशोरी ही स्वस्थ परिवार और समाज के निर्माण की आधारशिला बनती है। कार्यक्रम में कंसोराम नेताम एवं गांधीराम नेताम को बच्चों की देखभाल तथा आंगनबाड़ी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया।

# मंत्री नेताम ने 14.91 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने नगर पालिका परिषद् रामानुजगंज अंतर्गत लगभग 14 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। काका लरंगसाय कम्युनिटी हॉल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में कृषि मंत्री नेताम ने क्षेत्र के नागरिकों को इन विकास कार्यों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नगरीय निकायों के चहुंमुखी विकास और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

शिविर में अधोसंरचना एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए करोड़ों रुपये के कार्यों की आधारशिला रखी गई है। इसमें नगर की जीवनदायिनी कन्हर नदी को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत 4 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से बनने वाला सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) प्रमुख है, जिससे कन्हर नदी में मिलने वाले गंदे पानी की समुचित निकासी और उपचार हो सकेगा।

आज कुल 53 विकास कार्यों हेतु 576.46 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों के तहत सामाजिक एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य डॉ. भीमराव अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन निर्माण है, जिसकी लागत 241.93 लाख रुपये है। इसके साथ ही डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति तालाब निर्माण कार्य हेतु 49.78 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 13 में अटल स्मृति तालाब निर्माण कार्य के लिए 49.90 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। नगर के विभिन्न वार्डों में सामाजिक भवनों और सामुदायिक स्थलों के सुदृढ़ीकरण के लिए वार्ड क्रमांक 01 में महाराणा प्रताप मंगल भवन का अहाता निर्माण कार्य हेतु 9.64 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 09 में लरंगसाय कम्युनिटी हॉल में फ्लोरिंग कार्य हेतु 9.78 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 03 में बिरसामुंडा सामुदायिक भवन के उन्नयन कार्य हेतु 8.59 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 03 में ही शिवचर्चा भवन समीप अहाता निर्माण हेतु 5.54 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 10 में आंगनबाड़ी के पीछे सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य के लिए 8.12 लाख रुपये की लागत तय की गई है। जनसुविधाओं से जुड़े अन्य निर्माण कार्यों में वार्ड क्रमांक 02 में लरंगसाय चौक समीप यात्री प्रतीक्षालय निर्माण कार्य हेतु 3.50 लाख रुपये, लरंगसाय चौक से यात्री प्रतीक्षालय शेड तक पेवर ब्लॉक स्थापना कार्य हेतु 2.76 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 08 में कोऑपरेटिव बैंक समीप शेड निर्माण कार्य हेतु 5.88 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। धार्मिक व जन आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के लिए वार्ड क्रमांक 07 में शिव मंदिर तट पर घाट निर्माण कार्य हेतु 8.99 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 03 नावघाट में छठ घाट निर्माण कार्य हेतु 8.55 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 03 में गौ मुक्तिधाम का अहाता निर्माण हेतु 8.82 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 07 में मुक्तिधाम समीप अहाता निर्माण कार्य हेतु 8.82 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 02 में वाड्रफनगर रोड में महाराणा प्रताप प्रतिमा का अहाता निर्माण कार्य हेतु 9.58 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 04 में लरंगसाय चौक का सौंदर्यीकरण कार्य हेतु 3.89 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

# नैनो यूरिया- छोटी शीशी, बड़ा कमाल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** खेती-किसानी में बदलती तकनीकें अब किसानों के लिए सुविधा और बचत का नया माध्यम बन रही हैं। सक्ती जिले के मालखरौदा विकासखंड के ग्राम नवागांव के प्रगतिशील किसान रामप्रसाद रात्रे ने नैनो यूरिया (तरल) का सफल उपयोग कर यह साबित किया है कि आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर खेती को अधिक सुविधाजनक और लाभकारी बनाया जा सकता है।

लगभग 4.50 एकड़ कृषि भूमि पर खेती करने वाले रामप्रसाद रात्रे ने पिछले वर्ष अपनी फसलों में नैनो यूरिया का प्रयोग किया। उनका कहना है कि इस नई तकनीक ने न केवल खेती की लागत कम करने में मदद की, बल्कि समय और श्रम की भी उल्लेखनीय बचत कराई। रामप्रसाद बताते हैं कि पहले पारंपरिक यूरिया की 45 किलो की बोरी खरीदना, उसे बाजार से खेत तक पहुंचाना और उसका प्रबंधन करना एक बड़ी चुनौती होती थी। इसके साथ ही फसल सीजन के दौरान यूरिया की उपलब्धता को लेकर भी किसानों को अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता था। कई बार समय पर उर्वरक नहीं मिलने से खेती के कार्य प्रभावित होते थे।

नैनो यूरिया ने इस समस्या का काफी हद तक समाधान किया है। इसकी छोटी शीशी को आसानी से खेत तक ले जाया जा सकता है और आवश्यकता के समय इसका उपयोग भी सरलता से किया जा सकता है। इससे परिवहन की परेशानी नही होती है। किसानों का समय भी बचता है। इसकी उपलब्धता अपेक्षाकृत सहज होने से फसलों को समय पर आवश्यक पोषण मिल पाता है।

# कुपोषण के खिलाफ सख्त हुई प्रशासन

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कुपोषण उन्मूलन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और महिला कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत परीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी गंभीर कुपोषित बच्चा उपचार से वंचित नहीं रहना चाहिए तथा महतारी वंदन योजना के लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के सभी परियोजना अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने गंभीर कुपोषित और मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे होम विजिट, बच्चों के नियमित वजन मापन, स्वास्थ्य परीक्षण और पोषण गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कुपोषित बच्चों की सतत मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें शीघ्र सामान्य श्रेणी में लाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

बैठक में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों और भुगतान की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ बिना विलंब मिलना चाहिए। महतारी वंदन योजना की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में 1223 हितग्राहियों की राशि विभिन्न कारणों से लंबित है। इस पर कलेक्टर ने सभी परियोजना अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि तकनीकी या दस्तावेज संबंधी कारणों से कोई भी हितग्राही योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

# स्वास्थ्य सेवाओं में मुंगेली बना प्रदेश का मॉडल जिला

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** स्वास्थ्य विभाग की टीम भावना से किए गए कार्यों के परिणामस्वरूप मुंगेली जिला आज प्रदेश के उत्कृष्ट स्वास्थ्य जिलों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और 50 प्रमुख स्वास्थ्य सूचकांकों पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने के कारण मुंगेली जिला वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ जिलों की श्रेणी में शामिल हुआ है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी 'स्वास्थ्यांक' ग्रेडिंग में मुंगेली जिले को 'अचीवर्स' श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय बन गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए 'मुख्यमंत्री अटल मॉनिटरिंग पोर्टल' के माध्यम से प्रमुख स्वास्थ्य सूचकांकों की सतत समीक्षा की जा रही है, जिसका सकारात्मक परिणाम मुंगेली जिले में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि मुंगेली जिले की यह उपलब्धि न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर व्यवस्था का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि संवेदनशील प्रशासन, सतत मॉनिटरिंग और टीमवर्क के माध्यम से जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले की इस उपलब्धि पर कहा कि आम जनता तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सरलता से पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिले ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। जिले में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन में 98 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई, जबकि संस्थागत प्रसव का प्रतिशत 99.98 रहा। यह जिले की मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रियता को दर्शाता है। यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम में जिले ने 103 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विशेष अभियान चलाकर पलायन कर लौटे परिवारों के बच्चों का भी टीकाकरण सुनिश्चित किया गया।

### अप्रैल-मई में किसानों को 2101.85 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण, खरीफ सीजन की तैयारियां तेज

**कोरबा।** जिले में खरीफवर्ष 2026 की तैयारियों के तहत किसानों को समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग द्वारा अप्रैल एवं मई माह में व्यापक स्तर पर उर्वरक वितरण किया गया। जिला कोरबा में 1 अप्रैल से 31 मई 2026 तक कुल 2101.85 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया गया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त अवधि में सर्वाधिक 1165.85 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया। इसके अलावा 310.85 मीट्रिक टन डीएपी, 67.75 मीट्रिक टन एमओपी, 437.70 मीट्रिक टन एसएसपी तथा 119.70 मीट्रिक टन एनपीके उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराया गया।

### डीजल मूल्य से किराया जोड़ने का कानून बनाने की मांग

# यात्री बसों के किराया वृद्धि पर होगा जल्द फैसला

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** यात्री बसों में किराया वृद्धि की मांग को लेकर परिवहन विभाग ने सभी बस संचालकों की बैठक लेकर चर्चा की। विभाग ने बारी-बारी से सभी संचालकों से बात की और बस संचालन में आ रही कठिनाइयों की जानकारी ली।

बस संचालकों ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पिछली बार किराया वृद्धि वर्ष 2021 में की गई थी। डीजल की मूल्य में लगातार वृद्धि होने के कारण संचालकों ने मांग रखी कि यात्री किराया डीजल के मूल्य में कमी या वृद्धि के साथ घटने-बढ़ने का स्थायी कानून बनाया जाए। परिवहन विभाग ने कहा कि अन्य राज्यों के दरों का तुलनात्मक अध्ययन कर नया किराया दर पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। बैठक में अखिल भारतीय पर्यटक परमिट के संचालन पर भी चर्चा हुई। विभाग ने स्पष्ट किया कि अखिल भारतीय पर्यटक परमिट का स्टेज कैरिज के रूप में संचालन किए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्येक स्टेज कैरिज में क्षमता का 25 प्रतिशत भाग महिला यात्रियों के लिए आरक्षित रहेगा तथा महिलाओं के लिए आरक्षित का बोर्ड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। प्रत्येक बस में दिव्यांगजनों के लिए न्यूनतम 03 सीटें आरक्षित रखी जाएं और उनके चढ़ने-उतरने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। प्रत्येक यात्री को पूर्व-मुद्रित टिकट जारी करना अनिवार्य होगा। टिकट में परमिट संख्या, परमिट प्रकार, वाहन क्रमांक, मार्ग, किराया, टिकट क्रमांक, जारी करने की तिथि तथा परिचालक का नाम एवं हस्ताक्षर अंकित रहेंगे। टिकट रिकॉर्ड न्यूनतम 02 वर्ष तक सुरक्षित रखना होगा। प्रत्येक चालक एवं परिचालक को पहचान-पत्र तथा यूनिफॉर्म जारी करना अनिवार्य होगा, जिसमें नाम, पता, फोटो, लाइसेंस, बैज क्रमांक, परमिट विवरण एवं वैधता अंकित रहेगी। वाहन के बाहरी भाग पर वाहन स्वामी का नाम-पता, मोबाइल नंबर, परमिट संख्या एवं प्रकार, परमिट वैधता, रूट, सेवा विवरण, पुलिस तथा परिवहन हेल्पलाइन नंबर स्पष्ट अंकित किए जाएं।

वाहन के अंदर चालक, परिचालक, परिचय क्रमांक एवं हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित किए जाएं। सभी यात्री बसों, स्लीपर कोच तथा स्कूल बसों में आपातकालीन निकास द्वार, आपातकालीन खिड़कियां, रूफ एस्केप हैच, आपातकालीन हथौड़े, अग्निशामक यंत्र, आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था तथा प्राथमिक उपचार पेटी कार्यशील स्थिति में रखना अनिवार्य होगा।

## खास खबर

### राजिम पुलिस ने 13.775 किलो गांजा किया जब्त 5 आरोपी पकड़ाए

**गरियाबंद।** राजिम पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्विफ्ट डिजायर कार से 13.775 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जोरा तालाब के पास घेराबंदी कर यह कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर कार से करीब 6.77 लाख रुपये मूल्य का गांजा मिला। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्विफ्ट डिजायर कार और 5 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कुल कीमत 14.12 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने धमतरी और ओडिशा के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया, वहीं मामले में 2 विधि से संघर्षरत बालकों को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है तथा मामले की आगे की जांच जारी है।

### दुकानों पर धावा, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात

**बालोद।** जिले के करहीभदर गांव में रविवार रात दो नकाबपोश चोरों ने मेडिकल दुकानों को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के करहीभदर गांव स्थित दो मेडिकल दुकानों में देर रात चोरी हुई। चोरों ने शटर का ताला तोड़कर प्रवेश किया और करीब 52 हजार रुपये नकद के साथ चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि दो नकाबपोश युवक वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। इनमें से एक चोर दुकान के भीतर घुसकर सामान खंगालता रहा, जबकि दूसरा बाहर खड़ा होकर निगरानी करता रहा। कुछ देर बाद अंदर मौजूद चोर एक बक्सा लेकर बाहर निकला और दोनों मौके से फरार हो गए। सोमवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर व्यापारियों ने पुलिस को सूचना दी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सीसीटीवी फुटेज अहम सुराग के रूप में सामने आया है, जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

### समाधान सेल की सूचना पर शराब कोचिया दबोचा, 40 पाव शराब और बाइक जब्त

**महासमुंद।** बलौदाबाजार जिले में शुरू की गई समाधान सेल एक बार फिर अपराधियों पर भारी साबित हुई, जहां हेल्पलाइन पर मिली सूचना के आधार पर थाना भाटापारा ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शराब कोचिया को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आमजनों की शिकायतों और आपराधिक गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई के लिए शुरू की गई समाधान सेल में अवैध शराब बिक्री की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में थाना भाटापारा ग्रामीण की टीम सक्रिय हुई और ग्राम देवरी मेन रोड पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को रोककर जांच की। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से बिक्री के लिए ले जाई जा रही 40 पाव देशी मसाला शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत लगभग 4 हजार रुपये बताई गई है। पकड़े गए आरोपी की पहचान निलेश वर्मा (20 वर्ष), निवासी ग्राम सेमरिया घाट, थाना भाटापारा ग्रामीण के रूप में हुई है। पुलिस ने शराब के साथ अवैध परिवहन में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल क्रमांक भी जब्त कर ली। आरोपी के खिलाफ थाना भाटापारा ग्रामीण में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया तथा न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, अवैध कारोबार या संदिग्ध गतिविधि की सूचना समाधान सेल हेल्पलाइन 94792 20392 पर कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से दें।

# कार की डोर में सीक्रेट चेंबर बनाकर कर रहे थे गांजा तस्करी, दो आरोपी को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** गांजा तस्करी करने वाले भी पुलिस की आंखों में धूल झोंकने नए नए प्लान बनातें हैं। ऐसी ही एक शातिराना प्लान को दुर्ग पुलिस ने नाकाम कर दिया है। दरअसल तस्करों ने गांजा छिपाने के लिए क्रेटा कार के डोर में ही सीक्रेट चेंबर बना दिया। इसके अंदर गांजा छिपाकर ओड़िशा से दुर्ग पहुंचे। इस बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तस्करों को दबोच लिया। कार डोर के चेंबर खोलकर पुलिस ने 14 कलों से ज्यादा का गांजा बरामद किया। आरोपियों को गिरफ्तार का एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

दरबसल दुर्ग पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि ओडेशा की ओर से एक क्रेटा वाहन में अवैध रूप से गांजा परिवहन कर महासमुंद, रायपुर होते हुए दुर्ग-भिलाई क्षेत्र में बिक्री के लिए लाया जा रहा है। सूचना के बाद दुर्ग जिले की सीमा पर थाना कुम्हारी एवं एसीसीयू टीम द्वारा संयुक्त रूप से घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन की तलाश की जा रही थी। इस दौरान कुम्हारी ओवरब्रिज के नीचे वाहन चेकिंग के समय रायपुर की ओर से आती हुई क्रेटा कार क्रमांक सीजी 04 एच एक्स 6908 को रोककर जांच की गई। प्रारंभिक निरीक्षण में वाहन से गांजे की गंध आने पर पुलिस टीम द्वारा अत्यंत सूक्ष्मता एवं बारीकी से वाहन की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान यह तथ्य सामने आया कि तस्करों ने वाहन के चारों दरवाजों के अंदर स्थित खाली स्थान को विशेष रूप से गुप्त चेंबर के रूप में तैयार कर रखा था। इन चेंबरों में गांजा छिपाकर रखा गया था तथा ऊपर से फाइबर कवर लगा दी गई थी, जिससे सामान्य निरीक्षण अथवा खुली आंखों से देखने पर गांजा दिखाई नहीं देता था। पुलिस टीम ने अपनी सूझबूझ, अनुभव एवं बारीकी से की गई जांच के आधार पर इन गुप्त चेंबरों का पता लगाकर उनमें छिपाकर रखा गया कुल 14.5 किलोग्राम गांजा कीमती 7 लाख 25 हजार रुपए बरामद किया।

वाहन सवारों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम तीरथा ठेला पिता लक्ष्मीधर ठेला, उम्र 36 वर्ष, निवासी अचलपुर, पोस्ट तूक्ला, थाना राजा खरियार, जिला नुआपाड़ा (उड़ीसा) तथा किशन जगत पिता महेश जगत, उम्र 35 वर्ष, निवासी स्टेशन चौक, कुम्हारी, जिला दुर्ग (छग) बताया। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे ओडिशा के कंधमाल क्षेत्र से गांजा खरीदकर दुर्ग-भिलाई क्षेत्र में अवैध बिक्री के लिए ला रहे थे। दोनों ने यह भी बताया कि पुलिस से बचने कार डोर का इस्तेमाल कर सीक्रेट चेंबर तैयार कर गांजा छिपाया गया था। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी जानकारी मिली है कि दोनों ने पहले भी इस प्रकार गांजा ला चुके थे और यह इनके लिए सेफ तरीका था।

पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से 14.5 किलोग्राम गांजा, क्रेटा वाहन क्रमांक सीजी 04 एच एक्स 6908, तथा नगद 22,000/- एवं मोबाइल फोन कुल कीमती 17 लाख 77 हजार रुपए जब्त किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) एवं 29 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है तथा पतासाजी जारी है। दुर्ग पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, परिवहन एवं बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

# खेत की तारबंदी बनी मौत की वजह : बेमेतरा में पिता-पुत्र ने पड़ोसी को पीटकर उतारा मौत के घाट, दोनों गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बेमेतरा।** खेत की तारबंदी और पुरानी रंजिश ने एक ग्रामीण की जान ले ली। बेमेतरा जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मुरकुटा में सोमवार सुबह खेत को कांटेदार तार से घेरने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि पिता-पुत्र ने मिलकर पड़ोसी किसान पर डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया।

पुलिस के अनुसार, ग्राम मुरकुटा निवासी अमरकांत नवरंग (40) ने थाना नवागढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके पिता विद्यासागर नवरंग (57) और पड़ोसी गेंदलाल नवरंग के बीच लंबे समय से खेत की सीमा, पानी निकासी और तारबंदी को लेकर विवाद चल रहा था। सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे विद्यासागर नवरंग अपने घर के सामने गली में अकेले थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश से नाराज गेंदलाल नवरंग और उसका पुत्र शशीकांत उर्फ सुशील नवरंग वहां पहुंचे और डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने विद्यासागर के सिर समेत शरीर के कई हिस्सों पर प्राणघातक वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

### खेत तक आने-जाने में हो रही थी परेशानी

पुलिस पूछताछ में आरोपी गेंदलाल नवरंग ने बताया कि दोनों परिवारों के खेत ग्राम मुरकुटा से साल्हेघोरी मार्ग पर एक-दूसरे से लगे हुए हैं। विद्यासागर नवरंग द्वारा खेत के चारों ओर कांटेदार तार लगाने से उसे अपने खेत तक पहुंचने में परेशानी हो रही थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद और तनाव बना हुआ था।

### एफएसएल टीम ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा पंचनामा कार्रवाई पूरी की गई। मामले में थाना नवागढ़ में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान आरोपियों से पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने गेंदलाल नवरंग (67) और शशीकांत उर्फ सुशील नवरंग (42) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश कर दिया।

# दुर्ग में शराबियों-हुड़दंगियों और अड्डेबाजों पर पुलिस का शिकंजा, एक दिन में 55 प्रकरण दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** अब सड़क किनारे जाम छलकाना, चौक-चौराहों पर अड्डेबाजी करना और रात में हुड़दंग मचाना भारी पड़ रहा है। दुर्ग पुलिस के विशेष अभियान ने ऐसे तत्वों पर सीधा वार करते हुए एक ही दिन में 55 प्रकरण दर्ज कर कानून तोड़ने वालों को कड़ा संदेश दिया है।

जिले में कानून व्यवस्था मजबूत करने और आम नागरिकों को सुरक्षित माहौल देने के लिए चलाए जा रहे इस अभियान के तहत 31 मई 2026 को पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों और संवेदनशील इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान खुलेआम शराब सेवन करने, समूह बनाकर अड्डेबाजी करने और शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले लोगों पर त्वरित कार्रवाई की गई।

पुलिस ने 36(च) आबकारी एक्ट के तहत कुल 55 प्रकरण दर्ज किए, जिनमें छावनी अनुभाग में सबसे अधिक 22 मामले सामने आए। वहीं भिलाई नगर अनुभाग में 18, दुर्ग अनुभाग में 8 और धमधा अनुभाग में 7 प्रकरण दर्ज किए गए।

अभियान के दौरान रात्रि में अनावश्यक भीड़ लगाकर हुड़दंग करने वालों पर भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई ताकि शहर में शांति और सुरक्षा बनी रहे। दुर्ग पुलिस प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 11:30 बजे तक मोबाइल पेट्रोलिंग के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रख रही है। इस पूरी कार्रवाई में जिले के थाना प्रभारियों, पेट्रोलिंग टीमों, डायल-112 स्टाफ और पुलिस बल की सक्रिय भूमिका रही।

बहरहाल, दुर्ग पुलिस का साफ संदेश है—सार्वजनिक स्थानों पर कानून तोड़ने वालों के लिए अब कोई रियायत नहीं, नियम तोड़ेंगे तो कार्रवाई तय है।

# शादी का प्रपोजल ठुकराने पर युवती के पिता को मारा-चाकू

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शादी का प्रपोजल ठुकराने से नाराज युवक ने युवती के पिता पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने घर के पास स्थित गैरेज में बाइक बनवाते समय पिता पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पूरी वारदात गैरेज में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वारदात के बाद युवक मौके से भाग निकला। हालांकि पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। मामला सिविल लाइन थाना का है।

जानकारी के अनुसार कुदुदंड पानी टंकी के पास रहने वाला साहिल मरावी सिविल लाइन में रहने वाली युवती से शादी करना चाहता था। आरोप है कि उसने शुरुआत में खुद को साहिल मानिकपुरी बताकर मोहितदास मानिकपुरी के परिवार से संपर्क किया, जिसके बाद शादी की बातचीत शुरू हुई। बाद में परिवार को उसके असली सरनेम मरावी होने की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने रिश्ता करने से इनकार कर दिया। परिजनों का आरोप है कि रिश्ता टूटने के बाद भी साहिल लगातार युवती और उसके परिवार पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। उसकी हरकतों से परेशान होकर परिवार ने किराए का मकान छोड़कर दूसरी जगह शिफ्ट होने की तैयारी भी शुरू कर दी थी।

सोमवार सुबह करीब 11 बजे पिता मोहितदास मानिकपुरी घर के पास स्थित गैरेज में अपनी बाइक बनवाने गए थे। इसी दौरान साहिल वहां चाकू लेकर पहुंचा और उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी ने मोहितदास के सीने और पीठ पर कई वार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल सिम्स अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। हालांकि गैरेज में लगे कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई। फुटेज में आरोपी युवक पीड़ित पर एक के बाद एक कुल 6 बार चाकू से वार करता दिखाई दे रहा है।

वीडियो में यह भी दिख रहा है कि चाकू लगने के बावजूद घायल व्यक्ति हमलावर का विरोध करते हुए उसे पकड़ने की कोशिश कर रहा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी की।

इस दौरान पुलिस को देखकर भागने की कोशिश में आरोपी खुद ही गिर पड़ा, जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आ गई। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

### रिश्तेदार बोले- 2 दिन पहले की शिकायत पर नहीं हुई कार्रवाई

पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना से दो दिन पहले साहिल ने बीच सड़क पर युवती के साथ मारपीट भी की थी, जिससे वह बेहोश हो गई थी। मामले की शिकायत लेकर परिवार सिविल लाइन थाने पहुंचा था, लेकिन उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। उनका कहना है कि पुलिस ने केवल आवेदन लेकर उन्हें वापस भेज दिया था। रिश्तेदारों का आरोप है कि अगर उसी समय पुलिस ने कार्रवाई की होती, तो सोमवार को हुई चाकूबाजी की घटना को रोका जा सकता था।

# एनटीपीसी राखड़ डैम में करंट की चपेट में आने से संविदा कर्मचारी की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** एनटीपीसी सीपत के राखड़ डैम में ड्रेजिंग कार्य के दौरान एक 19 वर्षीय संविदा कर्मी की मौत हो गई। सुबह करीब 8:45 बजे जलाशय में तैरती लाश देखकर सीआईएसएफ के जवानों ने इसकी सूचना प्रबंधन और सीपत पुलिस को दी। ठेका कंपनी व एनटीपीसी ने 3-3 लाख देने की घोषणा की है। ठेका कंपनी आईएमएस शिपमेंट एजेंसी के तहत कार्यरत श्रमिक नूर मोहम्मद निवासी मालदा, पश्चिम बंगाल की सोमवार सुबह पानी पंप पर काम करने के दौरान करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही सीपत पुलिस मौके पर पहुंची और नाव के जरिए शव को जलाशय से बाहर निकाला। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी का कहना है कि प्राथमिक जांच में मौत करंट लगने से होने की आशंका है। पीएम रिपोर्ट से पुष्टि होगी।

## बैंक मित्र से दिनदहाड़े 2 लाख की लूट

# आंखों में मिर्च पाउडर झोंका, बाइक रोककर कैश से भरा बैग लेकर फरार हुए बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र में बैंक मित्र से दिनदहाड़े 2 लाख रुपए की लूट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में वारदात को अंजाम देते हुए पहले पीड़ित पर मिर्च पाउडर फेंका। इसके बाद अपनी गाड़ी सामने लगाकर नकदी से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए।

### बाइक सवारों ने किया पीछा

अभनपुर पुलिस के अनुसार, बिरोदा निवासी पोषण साहू बैंक मित्र के रूप में कार्य करता है। सोमवार शाम करीब 5 बजे वह अभनपुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा से 2 लाख रुपए निकालकर अपने गांव लौट रहा था। खोरपा और बिरोदा गांव के बीच पगडंडी मार्ग पर पहुंचते ही बाइक सवार दो युवकों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया।

पीड़ित के अनुसार, बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने उसकी आंखों की ओर मिर्च पाउडर फेंक दिया। मिर्च पाउडर आंखों में जाने से उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डगमगाने लगी। इसी दौरान आरोपियों ने अपनी बाइक उसके सामने अड़ा दी और नकदी से भरा बैग छीनकर मौके से फरार हो गए।

### पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि बदमाश बैंक से ही पोषण साहू की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। जैसे ही वह नकदी लेकर अपने गांव के लिए निकला, आरोपियों ने उसका पीछा किया और सुनसान रास्ते पर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

### सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान में जुटी पुलिस

पुलिस बैंक ऑफ बड़ौदा परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके अलावा घटना स्थल तक जाने वाले मार्गों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी जांची जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और उनके फरार होने के रास्ते का पता लगाया जा सके। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। घटना के खुलासे के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा


**कार्यालय कलेक्टर (आबकारी)**
**जिला - बालोद (छ.ग.)**

**// निविदा सूचना //**

क्रमांक/आब./निविदा/2026/1308 बालोद, दिनांक 29/05/2026

सर्वसाधारण की विशेष जानकारी के लिए यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि शासन के निर्देशानुसार **चिखलाकसा नगर पंचायत क्षेत्र में** विदेशी मदिरा विक्रय हेतु **एक विदेशी मदिरा दुकान** के लिए भवन/स्थल किराये पर लिये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार, निविदा शर्तों के अधीन तकनीकी निविदा एवं वित्तीय निविदा के बंद लिफाफे, एक बड़े लिफाफे में रख कर बंद लिफाफा **दिनांक 08.06.2026 को दोपहर 02:00 बजे तक** कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी. एल. जिला - बालोद में जमा कर सकेगें। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी निविदा उसी **दिन सायं 04:00 बजे** निविदा मूल्यांकन हेतु गठित समिति के समक्ष खोला जावेगा ।

निविदा के नियम / शर्तों की जानकारी एवं निविदा प्रपत्र, जिला प्रबंधक सी. एस. एम. सी. एल. जिला - बालोद के पक्ष में देय राशि रू 1180 / - (अक्षरी एक हजार एक सौ अस्सी रू.) (जी.एस.टी. सहित) का बैंक ड्राफ्ट (किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी) जमा कर कार्यालयीन कार्यदिवस में कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला प्रबंधक सी. एस.एम.सी.एल. जिला - बालोद से प्राप्त किया जा सकता है।

**(कलेक्टर महोदया द्वारा अनुमोदित)**

जिला आबकारी अधिकारी
हेतु कलेक्टर
जिला - बालोद (छ.ग.)

जी-262701113/5


### बाइक स्लिप होने से चालक की मौत, एक युवक घायल हुआ

**राजनांदगांव।** अंबागढ़ चौकी के पटेली गांव के पास तेज रफ्तार बाइक फुटपाथ से सड़क पर चढ़ते वक्त फिसलकर गिर गई। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं पीछे बैठा साथ गंभीर रुप से घायल है। घटना रविवार शाम की है।

बाइक सवार किसन लाल यादव व मुंशीराम यादव ग्राम बम्हनी छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। जहां से देर शाम दोनों वापस अपने गांव लौट रहे थे। दोनों ग्राम पटेली के पास पहुंचे थे। तभी सामने से आ रहे मालवाहक को जगह देने किसन यादव ने बाइक सड़क से नीचे उतारी। मालवाहक के पार होने के बाद सड़क पर बाइक चढ़ा रहा था, तभी बाइक फिसल गई।

## खास खबर

### शासन की सख्ती का असर, तीन खाद-बीज दुकानों को नोटिस

**रायपुर।** खरीफ सीजन 2026 से पहले किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए बलौदाबाजार जिले में कृषि विभाग ने निरीक्षण अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को विभिन्न विकासखंडों में कृषि आदान केंद्रों के औचक जांच के दौरान अनियमितताएं मिलने पर तीन कृषि केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जबकि कई प्रतिष्ठानों से बीज के नमूने लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। बलौदाबाजार विकासखंड में यश कृषि केंद्र, खम्हरिया में अभिलेखों का समुचित संधारण नहीं मिलने तथा उर्वरक स्टॉक एवं मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं किए जाने पर नोटिस जारी किया गया। वहीं ग्राम धारसिव स्थित अशोक कृषि केंद्र में बिल बुक और स्रोत प्रमाण-पत्र का संधारण नहीं मिलने तथा ग्राम लवनबंद के लाला साहू कृषि केंद्र में अभिलेखों के रखरखाव में अनियमितता पाए जाने पर भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

### बारिश से पहले दिनेश को मिल गया सुरक्षित आशियाना

**राजनांदगांव।** वर्षों तक कच्चे मकान में रहने के बाद अब दिनेश कुमार निषाद का परिवार राहत और सुकून की सांस ले रहा है। हर बरसात में घर की सुरक्षा को लेकर बनी रहने वाली चिंता अब अतीत की बात हो चुकी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत मिले पक्के घर ने उनके परिवार को न केवल सुरक्षित आश्रय दिया है, बल्कि सम्मानजनक जीवन की नई उम्मीद भी जगाई है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम रेंगाकठेरा निवासी दिनेश कुमार निषाद उन ग्रामीण हितग्राहियों में शामिल हैं, जिनके जीवन में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं ने सकारात्मक बदलाव लाया है। सुशासन तिहार 2026 के दौरान आयोजित शिविर में उन्हें नवनिर्मित आवास की चाबी सौंपी गई, जिससे वर्षों पुराना उनका सपना साकार हो गया। दिनेश बताते हैं कि कच्चे मकान में रहने के दौरान उनका परिवार हर मौसम में कठिनाइयों का सामना करता था। अब वो दिन खत्म हो गए।

### सुशासन तिहार में सामुदायिक पुलिसिंग को मिली मजबूती

# मुख्यमंत्री ने हेलमेट पहनकर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश, 'उन्नयन' पुस्तिका का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

**कोंडागांव।** सुशासन तिहार के अंतर्गत आज कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में आयोजित समाधान शिविर में सामुदायिक पुलिसिंग, सड़क सुरक्षा और जनजागरूकता से जुड़े अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में शामिल होकर पुलिस विभाग की विभिन्न जनहितकारी पहलों का अवलोकन किया तथा समाज में सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में छह हितग्राहियों को हेलमेट वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वयं हेलमेट पहनकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया और लोगों से दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की

अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हेलमेट केवल एक सुरक्षा उपकरण नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा करने वाला महत्वपूर्ण कवच है। यातायात नियमों का पालन कर हम स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने और उन्हें सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से वॉलीबॉल खेल किट का वितरण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को नशे और नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रखकर खेल, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। सामुदायिक पुलिसिंग की ऐसी पहलें समाज में सकारात्मक वातावरण निर्माण करने के साथ-साथ युवाओं के व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

#### 'उन्नयन' पुस्तिका का विमोचन

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कोंडागांव पुलिस द्वारा तैयार की गई 'उन्नयन' पुस्तिका का विमोचन भी किया। यह पुस्तिका सामुदायिक पुलिसिंग, जनजागरूकता, पुनर्वास गतिविधियों तथा पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास तथा संवाद को मजबूत बनाने में ऐसे नवाचार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सुशासन तिहार के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि शासन, प्रशासन और समाज के साझा प्रयासों से सुरक्षित, जागरूक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

## ज्ञान भारतम् : बड़े कनेरा में मिलीं 150 साल पुरानी ओड़िया में लिखी पांडुलिपियां

श्रीकंचनपथ समाचार

**कोंडागांव।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत कोंडागांव जिले के ग्राम बड़े कनेरा का दौरा किया। यहां उन्होंने ज्ञान भारतम् अभियान के तहत संरक्षित लगभग 150 वर्ष पुरानी उड़िया भाषा में लिखित प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन किया और उनके संरक्षण में जुटे परिवारों की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रामूराम यादव के पास संरक्षित आठ प्राचीन पांडुलिपियों को देखा तथा उनके इतिहास, उपयोग और संरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ऐसी धरोहरें केवल पुस्तकीय विरासत नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली की जीवंत पहचान हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की भागीदारी के बिना सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण संभव नहीं है। जिन परिवारों ने दशकों तक इन धरोहरों को सुरक्षित रखा है, वे वास्तव में हमारी ज्ञान-संपदा के संरक्षक हैं। इस अवसर पर बड़े कनेरा के हरदू कश्यप, परमेश्वर मानिकपुरी, अमरावती के त्रिलोचन मानिकपुरी, पुरसोती राम मौर्य तथा कोपरा ग्राम के चमरू नाग ने भी मुख्यमंत्री से चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन पांडुलिपियों में पंजीयार, पंजी, पुराण, पंचांग तथा चक्रकूट पंचांग जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ शामिल हैं।

## लोकभवन में लगा बाल रोग परीक्षण शिविर, राज्यपाल डेका भी रहे उपस्थित

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका के निर्देशन में आज लोकभवन में 1 से 17 वर्ष आयु तक के बच्चों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित किया गया। शिविर में सामान्य बीमारियों के साथ-साथ हृदय रोग, स्त्री रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, नाक-कान-गला रोग, बी.पी. शुगर सहित बच्चों से संबंधित अन्य बीमारियों की नि:शुल्क जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। राज्यपाल रमेन डेका ने स्वयं उपस्थित रहकर शिविर की गतिविधियों पर नजर बनाए रखी।

छत्तीसगढ़ मंडपम में जिला प्रशासन रायपुर के 'प्रोजेक्ट छांव' के अंतर्गत आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में लगभग 250 बच्चों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में खून जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई थी। शिविर में विभिन्न शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर की टीम द्वारा लैब जांच, बीपी और शुगर जांच की गई। वहीं श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल द्वारा हृदय रोग परामर्श, ईसीजी एवं ईको जांच की सुविधा दी गई। इसके अलावा श्री बालाजी डेंटल कॉलेज, बर्निंयों हॉस्पिटल, रूप जीवन हॉस्पिटल, श्री गणेश विनायक नेत्रालय सहित विभिन्न संस्थानों द्वारा जांच और परामर्श प्रदान किया गया।

## देश का पहला जिला बना धमतरी जहां साख समितियों के माध्यम से किसानों को मिलेगी ड्रोन स्प्रेयर की सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

**धमतरी।** कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने तथा किसानों को वैज्ञानिक एवं उन्नत खेती से जोड़ने की दिशा में जिला धमतरी ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले की 10 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में ड्रोन स्प्रेयर सुविधा प्रारंभ की गई है। इस अभिनव पहल के साथ धमतरी देश का पहला जिला बन गया है, जहां सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

लोहरसी में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर ने इस महत्वाकांक्षी पहल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में किसानों की उपस्थिति में सभी 10 समितियों के प्रशिक्षित ड्रोन पायलटों द्वारा ड्रोन स्प्रेयर का सफल प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान ड्रोन तकनीक के माध्यम से उर्वरक एवं कीटनाशकों के सटीक छिड़काव, समय की बचत, लागत में कमी तथा बेहतर कृषि प्रबंधन की उपयोगिता को प्रदर्शित किया गया।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक आधुनिक तकनीक पहुंचाने का यह एक अभिनव प्रयास है। इससे किसानों को कम लागत में अधिक दक्षता के साथ कृषि कार्य करने में सहायता मिलेगी। हमारा प्रयास है कि जिले का प्रत्येक किसान आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की तकनीकों का लाभ उठाकर अपनी उत्पादकता और आय में वृद्धि कर सके। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले को कृषि नवाचारों का मॉडल जिला बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है और यह पहल उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है।

## सफलता की कहानी : समूह की मदद से मजदूरी करने वाली रानी यादव बन गई पोल्ट्री फार्मर

श्रीकंचनपथ समाचार

**कबीरधाम।** महिलाएं यदि ठान लें तो अपनी मेहनत से जीवन की दिशा बदल सकती हैं। कभी परिवार का खर्च चलाने के लिए मजदूरी करने वाली रानी यादव आज अपने गांव में आत्मनिर्भर महिला के रूप में पहचान बना चुकी हैं। स्व-सहायता समूह से मिली मदद और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने मुर्गी पालन व्यवसाय शुरू किया, जिससे उनकी आय में कई गुना बढ़ोतरी हुई। अब वे दूसरी महिलाओं को भी रोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम पंचायत रामहेपुर की रहने वाली श्रीमती रानी यादव जय मां शारदा स्व-सहायता समूह की सचिव हैं। समूह से जुड़ने से पहले रानी यादव का जीवन काफी

कठिनाइयों भरा था। परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए उन्हें मजदूरी और खेती पर निर्भर रहना पड़ता था। खेती और मजदूरी से सालाना आय लगभग 35 हजार रुपये ही थी, जिससे घर का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता था। इसी दौरान रानी यादव जय मां शारदा स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह की बैठकों और प्रशिक्षण के दौरान उन्हें स्वरोजगार और बचत के बारे में जानकारी मिली। समूह के माध्यम से उन्हें आर्थिक सहायता भी प्राप्त हुई। रानी यादव को चक्रीय निधि से 5 हजार रुपये, सीआईएफ से 60 हजार रुपये और बैंक ऋण से 1 लाख रुपये की सहायता मिली।

मिली हुई राशि से रानी यादव ने मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने छोटे स्तर पर काम शुरू किया, लेकिन मेहनत और लगन से धीरे-धीरे उनका व्यवसाय बढ़ने लगा। आज रानी यादव की आय पहले से कई गुना बढ़ चुकी है।

खेती से लगभग 30 हजार रुपये, मुर्गी पालन व्यवसाय से करीब 1 लाख 60 हजार रुपये और मजदूरी से लगभग 20 हजार रुपये की आय हो रही है। इस तरह अब उनके परिवार की कुल वार्षिक आय लगभग 2 लाख 10 हजार रुपये तक पहुंच गई है। रानी यादव बताती हैं कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब वे आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वे गांव की दूसरी महिलाओं को भी समूह से जुड़कर अपना रोजगार शुरू करने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

### 5 जून को रायपुर में रोजगार मेला, दिव्यांगजनों के लिए सुनहरा अवसर

**महासमुंद।** विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर द्वारा दिव्यांगजनों के लिए 5 जून 2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। उपसंचालक डॉ. शशि अतुलकर ने बताया कि यंग इंडिया के तत्वावधान में यह रोजगार मेला प्रात: 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक कॉलेज बैरन बाजार, रायपुर में आयोजित होगा। मेले में अस्थिबाधित, बौने, कम सुनने वाले (श्रवण यंत्र की सहायता से) तथा देखने में कठिनाई वाले (चश्मे की सहायता से) दिव्यांगजनों को रोजगार प्रदान किए जाएंगे। मेले में क्रेडालिस कैपिटल प्रा. लि., आई ट्रेड टेलीमेटिक्स निगरानी जीपीएस, रामा उद्योग प्रा. लि., बारबरिक ट्रांसफॉर्मर्स, अविनाश डेवलपर्स प्रा. लि., स्काई ऑटोमोबाइल (मारुति नेक्सा) एवं विश्वभारती ऑटोमोबाइल प्रा. लि. रायपुर सहित विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। चयनित अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता अनुसार प्रतिमाह 11 हजार रुपये से 30 हजार रुपये तक वेतन मिलेगा।

### बदल रही नक्सलमुक्त बस्तर की तस्वीर

## दहशत का अंधेरा छंटा तो गोगुण्डा के ग्रामीणों तक पहुंची स्वास्थ्य की रौशनी

- मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में दूरस्थ गांवों तक पहुँचीं स्वास्थ्य सेवाएं
- सुकमा की बदलती तस्वीर दिखाता है यह विस्तार : जायसवाल
- गोगुण्डा के 10 मोतियाबिंद मरीजों का सफल ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ समाचार

**सुकमा।** जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की साझा प्रतिबद्धता से सुकमा जिले के सुदूर और कभी नक्सल प्रभावित रहे गोगुण्डा गांव में उम्मीद का एक नया सवेरा हुआ है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय सुकमा ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

गोगुण्डा के 10 मोतियाबिंद मरीजों का सफल ऑपरेशन किया गया। इस सफल सर्जरी के जरिए इन ग्रामीणों के जीवन के अंधेरे को दूर कर उन्हें नई दृष्टि का अनमोल उपहार दिया गया है।

यह पूरी प्रक्रिया स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली का बेहतरीन उदाहरण है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें खुद दुर्गम गांवों में पहुंचकर घर-घर सर्वे कर रही हैं और मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान कर रही हैं। इसके बाद, मरीजों को पूरे सम्मान के साथ विशेष वाहनों से जिला चिकित्सालय लाया जाता है, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका नि:शुल्क इलाज होता है।

ऑपरेशन के बाद भी मरीजों को डॉक्टरों की सख्त निगरानी में रखा जाता है और पूरी तरह स्वस्थ होने पर रविवार को उन्हें सकुशल उनके घरों तक वापस पहुँचाया गया।

स्वस्थ बस्तर के इस अभियान में केवल इलाज ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों के सम्मान और आत्मीयता का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। अस्पताल से छुट्टी के दौरान मरीजों का उत्साहवर्धन करने के लिए उन्हें फल वितरित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही, डिस्चार्ज हुए मरीजों और उनके परिजनों को प्रेरित किया गया कि वे अपने आस-पड़ोस के अन्य मोतियाबिंद पीड़ितों को भी इलाज के लिए जिला चिकित्सालय लाएँ। यह भावुक अपील अब एक जन-जागरूकता अभियान का रूप ले रही है, ताकि कोई भी जरूरतमंद इलाज से वंचित न रहे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि कभी विकास की मुख्यधारा से कटे इन सुदूर ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं का यह विस्तार सुकमा की बदलती तस्वीर को बयां करता है। नक्सल गतिविधियों में आई भारी कमी के बाद, अब शासन की कल्याणकारी योजनाएं और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सीधे गांव-गांव तक बिना किसी बाधा के पहुँच रही हैं।

इस संवेदनशील पहल ने न केवल जरूरतमंद नागरिकों को बहुत बड़ी राहत दी है, बल्कि अब ग्रामीणों को इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर भटकना भी नहीं पड़ रहा है। यह सफलता सुकमा में आ रहे सकारात्मक बदलाव और सुशासन की एक बुलंद मिसाल है।

## सारंगढ़ जिला अस्पताल में पहली बार सिजेरियन से हुई डिलीवरी

- एनेस्थीसिया डॉक्टर की पोस्टिंग के पहले ही दिन हुआ सफल ऑपरेशन
- मुख्यमंत्री साय की मंशा अनुरूप संवर रही हैं जिले की स्वास्थ्य सुविधाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

**सारंगढ़।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ के नवगठित जिलों में विकास और सुशासन की नई इबारत लिखी जा रही है। इसी कड़ी में 1 जून 2026 का दिन सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के इतिहास में स्वास्थ्य क्रांति का एक नया अध्याय बनकर दर्ज हो गया है। वर्षों से जिस आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा की आस यहां की जनता को थी, वह सपना अब साकार हो चुका है।

जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में पहली बार एक गर्भवती महिला का सफल सिजेरियन प्रसव कराया गया है। ऑपरेशन के बाद जैसे ही अस्पताल के लेबर रूम में नवजात

की किलकारी गूंजी, पूरा मेडिकल स्टाफ खुशी से झूम उठा। वर्तमान में मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

सारंगढ़ जिला अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन की राह में लंबे समय से एनेस्थीसिया विशेषज्ञ (निश्चेतक) की कमी सबसे बड़ी बाधा बनी हुई थी। जिला प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन के लगातार प्रयासों के बाद, संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा डॉ. कुन्ती नायक (एनेस्थीसिया विशेषज्ञ) की सेवाएं जिला चिकित्सालय सारंगढ़ के लिए जारी की गईं।

प्रशासन की मुस्तैदी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि डॉ. कुंती नायक के कार्यभार संभालते ही, अस्पताल प्रबंधन ने बिना एक पल गंवाए सोमवार को ही इस ऐतिहासिक ऑपरेशन को हरी झंडी दे दी। कलेक्टर के कुशल निर्देशन, सीएमएचओ और सिविल सर्जन के सतत प्रयासों से यह बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है।

इस बेहद संवेदनशील और पहले ऑपरेशन की मुख्य कमान जिला अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रानू मनहर ने संभाली। डॉ. मनहर एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. कुन्ती नायक और उनकी पूरी तरह प्रशिक्षित व मुस्तैद मेडिकल टीम ने अपनी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए इस पहले ऑपरेशन को शत-प्रतिशत सुरक्षित और सफल बनाया।

यह सुविधा क्षेत्र की गर्भवती माताओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह सिर्फ एक ऑपरेशन नहीं है, बल्कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत है। अब क्षेत्र की गरीब और मध्यमवर्गीय माताओं को जटिल प्रसव के लिए रायगढ़, बिलासपुर या महंगे प्राइवेट अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

#### गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को मिली बड़ी राहत

अब तक इस अंचल के लोगों को किसी भी आपातकालीन या जटिल प्रसव की स्थिति में बड़े शहरों या महंगे निजी अस्पतालों की दौड़ लगानी पड़ती थी, जिससे उन पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता था। जिला अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन शुरू होने से अब अंचल के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को बहुत बड़ी राहत मिली है। अब उन्हें विश्वस्तरीय मानकों के साथ यह खर्चीला इलाज पूरी तरह नि:शुल्क मिलेगा। जिला अस्पताल की इस बड़ी कामयाबी से पूरे सारंगढ़-बिलाईगढ़ अंचल में भारी उत्साह है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950